CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-40
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार, 18 मई 2024

आज का विचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

चार धाम यात्राः पंजीकरण के लिए ठहरे यात्रियों के रहने-खाने की व्यवस्था नहीं कर पा रहा प्रशासन

खुले आसमान के नीचे रात गुजार रहे तीर्थयात्रियों का सब्र टूटा

ऋषिकेश। चार धाम यात्रा की व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतर गई है। इस बीच ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप में रुके तीर्थयात्रियों का सब्र जवाब दे गया। खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर तीर्थयात्रियों ने शुक्रवार को हंगामा कर दिया। अब तक 500 बसों की बुकिंग निरस्त हो चुकी हैं। पंजीकरण की नई गाइडलाइन के चलते पहले ही यात्रा के लिए पहुंच चुके यात्रियों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। कई दिनों से ट्रांजिट कैंप में रुके तीर्थयात्रियों ने अपना विरोध जताया है। गुरुवार को गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय व आईजी करन नगन्याल ने मोर्चा संभाल व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। ट्रांजिट कैंप में प्रशासन के दावे हवाई साबित हो रहे हैं। यहां हर कोने में तीर्थ यात्री अपनी बसों के साये में खुले में सोने को मजबूर हैं। प्रशासन ने दावा किया था कि जिन यात्रियों को पंजीकरण के लिए रुकना पड़ेगा उनकी रहने और खाने की व्यवस्था प्रशासन करेगा। जबकि तीर्थयात्री स्वयं की व्यवस्था से भोजन बना रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि अब भोजन सामग्री भी समाप्त होने को है।

11 मई से कैंप में हैं यात्री ट्रांजिट कैंप में कई यात्री 11 मई से हैं। अब उनका सब्र जवाब देने लगा है। ग्वालियर के मुल्लू सिंह ने बताया कि वह 50 लोगों के साथ ट्रांजिट कैंप में 11 मई को पहुंच चुके थे।

एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी चलती बस में लगी आग

10 लोग जिंदा जले... दो दर्जन से अधिक झुलसे

तावडू उपमंडल की सीमा से गुजर रहे कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार-शनिवार की रात श्रद्धालुओं से भरी बस में अज्ञात कारणों से आग लग गई। बस में सवार 10 लोग जिंदा जल गए जबकि दो दर्जन से अधिक बुरी तरह झुलस गए। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। चलती बस में आग की लपटें देख स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास करते हुए पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया। हादसे के शिकार लोग पंजाब और चंडीगढ़ के रहने वाले बताए गए हैं जो मथुरा और वृंदावन दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस जांच में जुट गई। बस में सवार पीड़ित श्रद्धालु सरोज पुंज व पूनम ने बताया कि बीते शुक्रवार को एक टूरिस्ट बस किराए पर कर बनारस और मथुरा वृंदावन दर्शन के लिए निकले थे। बस में 60 लोग सवार थेजिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। यह सभी नजदीकी रिश्तेदार थे जो पंजाब के लुधियाना, होशियारपुर और चंडीगढ़ के रहने वाले थे। शुक्रवार-शनिवार की रात वह दर्शन कर वापस लौट रहे थे। देर रात डेढ़ बजे के करीब बस में आग की लपटें दिखाई दीं। उन्होंने बताया कि वह आगे की सीट पर बैठी हुई थीं। किसी तरह स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें निकाल लिया गया। टनास्थल पर मदद के लिए पहुंचे ग्रामीण साबिर,नसीम, साजिद, एहसान आदि ने बताया कि देर रात करीब 1:30 बजे एक चलती बस में उन्हें आग की लपटें दिखाई दीं। उन्होंने आवाज लगाकर चालक को बस रोकने को कहा लेकिन बस नहीं रुकी। फिर एक युवक ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बस का पीछा किया और चालक को आग लगने सूचना दी। इसके बाद बस रुकी लेकिन तब तक बस में आग काफी तेज हो चुकी थी। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया।साथ ही पुलिस को भी सूचना दी। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी बहुत देर से पहुंची। तब तक बस में सवार लोग बुरी तरह झुलस चुके थेजिनमें आठ की मौत हो गई। तावडू सदर थाना पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया। हादसे की सूचना मिलने के कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया भी अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे।

संविधान पीठ का फैसला कम संख्या वाली पीठ को मानना बाध्यकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जजों की कम संख्या वाली पीठों पर संविधान पीठ का फैसला बाध्यकारी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के एक फैसले का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। 7 अप्रैल 2022 के एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोई पंचायत उस जमीन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकती, जो हरियाणा के भूमि कानून के तहत असली मालिकों से मंजूर अधिकतम सीमा तक ली गई हो। शीर्ष अदालत ने कहा था कि पंचायतें उन जमीनों का सिर्फ प्रबंधन और नियंत्रण कर सकती हैं और उन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकतीं। पीठ ने कहा कि भूमि मालिकों को जमीन वापस भी नहीं की जा सकती क्योंकि जमीन का अधिग्रहण वर्तमान की जरूरतों के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा करते हुए कहा कि संविधान पीठ द्वारा निर्धारित कानून को अनदेखा करना और उसके विपरीत दृष्टिकोण रखना एक गलती होगी। सुप्रीम कोर्ट में अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमारे विचार से संविधान पीठ के फैसले को नजरअंदाज करने से इसकी मजबूती कमजोर होगी और सिर्फ इस आधार पर फैसले की समीक्षा की अनुमति दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट अब 7 अगस्त को समीक्षा याचिका पर सुनवाई करेगा।

सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर

ईडी ने शराब घोटाले में 'आप' और केजरीवाल को बनाया आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने शुक्रवार को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर करते हुए पहली बार आम आदमी पार्टी और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को आरोपी बनाया। यह पहला मौका है जब किसी राजनीतिक दल को पीएमएल केस में आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा कथित घोटाले में पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री को भी आरोपी बनाया गया है। ईडी ने कथित शराब घोटाले में शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पूरक आरोपपत्र दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा इस मामले में दायर यह आठवां आरोप पत्र है। इस चार्जशीट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर यह पहली चार्जशीट है।

यह पहली बार है कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री और एक राजनीतिक दल को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना करना पड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा आने वाले दिनों में ईडी द्वारा दायर की गई 200 पृष्ठों के इस आरोपपत्र पर संज्ञान ले सकती हैं। सूत्रों ने कहा कि आरोपियों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आरोप लगाने की मांग की गई है।

केजरीवाल भी मामले के मास्टरमाइंड ईडी ने अपने आरोपपत्र में कहा है कि मनीष सिसोदिया और के कविता के साथ अरविंद केजरीवाल भी इस मामले के मास्टरमाइंड हैं। साथ ही कहा है कि पीएमएलए की धारा 70 के तहत आम आदमी पार्टी कंपनी के रूप में मुकदमा चलाने के लिए उत्तरदायी है। ईडी का कहना है कि जांच से पता चला है कि इस घोटाले से प्राप्त आय का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी ने अपने गोवा चुनाव अभियान के लिए किया। ईडी का आरोप है कि आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितता की गई थीं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया था। इसमें लाइसेंस शुल्क माफ या कम किया गया था।

इस नीति से सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

यूपी के श्रावस्ती में चुनावी सभा में पहुंचे मप्र के मुख्यमंत्री

सीएम मोहन बोले- कांग्रेस को पसंद नहीं आते हमारे देवी-देवता

श्रावस्ती। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश के श्रावस्ती लोकसभा की गैसड़ी विधानसभा के पचपेड़वा में भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्रा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी विचारधारा के लोग कुछ लोगों को अपने वोटों का गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। इनकी मानसिकता ही ऐसी है। पहले अंग्रेजों ने यह काम किया था। अंग्रेजों ने फूट डालो शासन करो की नीति से देश के हिन्दू-मुसलमानों को हमेशा लड़ाया और अब यह काम कांग्रेस पार्टी भी कर रही है। कांग्रेस वह पूछ है, जो सीधी नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हम जब भी हमारे देवी-देवताओं के जयकारे लगाते हैं तो सबसे ज्यादा दिक्कतें, परेशानियां कांग्रेसियों को होती है। उन्हें हमारे देवी-देवता पसंद नहीं हैं। कांग्रेस की मानसिकता ही विरोध करने की रही है। आज जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे ज्यादा मान-सम्मान मुस्लिम देशों में मिल रहा है तो वहीं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रक्षाबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राखी भेज रही हैं। प्रधानमंत्री भी उनके लिए साड़ी भेजते हैं। अब कांग्रेसी कह रहे हैं कि यदि देश के प्रधानमंत्री मोदी बन गए तो वे संविधान को ही बदल डालेंगे, लेकिन उन्हें यह नहीं पता है कि प्रधानमंत्री मोदी 10 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री हैं। कांग्रेस संविधान के नाम पर देशवासियों के बीच में भ्रम फैला रही है।

बीजेपी हर वर्ग को सम्मान देती है

सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकारों ने हर वर्ग, हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान दिया, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी वर्ग विशेष को ही मानते हैं। मुस्लिम देशों में सबसे ज्यादा सम्मान प्रधानमंत्री मोदी का हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान देती है। मुस्लिम वर्ग के लोग हमारे साथ हैं तो इसमें भी कांग्रेसियों और समाजवादियों के पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब को देश का राष्ट्रपति बनाया, लेकिन कांग्रेस ने यह काम कभी नहीं किया।

कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों के लक्षण

सीएम यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से सिर्फ वोट बैंक की राजनीति ही करती रही है। मुस्लिम भाई-बहनों के कांग्रेस ने सिर्फ वोट लिए हैं, उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों के लक्षण समाहित है। जब अंग्रेजों ने भारत में राज किया तो उन्होंने हमेशा फूट डालो शासन करो की नीति अपनाई। इसके बाद जब अंग्रेज चले गए तो यह काम कांग्रेसियों ने भी शुरू कर दिया। कांग्रेस भी अंग्रेजों के सिद्धांतों पर चलते हुए फूट डालो शासन करो की नीति से सरकार चलाती रही। हमेशा से देश के अंदर हिन्दू-मुसलमानों के बीच में फूट डालकर शासन करती रही, लेकिन अब इस देश की जनता समझदार हो गई है और अब वह कांग्रेस की रग-रग को जानने लगी है।

एक ही परिवार के लोग प्रधानमंत्री बने,लेकिन दिल्ली से चुनाव नहीं लड़ सके

एक ही परिवार के लोग प्रधानमंत्री बने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में एक ही परिवार के लोग प्रधानमंत्री बने, लेकिन वे दिल्ली से चुनाव नहीं लड़ सके। उन्हें दिल्ली से चुनाव लड़ने में डर लगता है, इसलिए तो उत्तरप्रदेश और केरल जाना पड़ रहा है। इस बार राहुल गांधी फिर भागकर वापस यूपी आए हैं। देश में 70 वर्षों तक राज करने के बाद भी कांग्रेस ने कभी भी श्रीराम मंदिर निर्माण में रूचि नहीं दिखाई। इसके बाद जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राममंदिर निर्माण की राह खुली तो उसमें भी अड़ंगे लगाए और जब श्रीराम मंदिर की आधारशिला का मुहूर्त आया तो उसमें भी कहने लगे कि अभी मुहूर्त नहीं है। श्रीराम मंदिर का निर्माण तो मुहूर्त में ही होगा, यह काम बिना मुहूर्त के नहीं हो सकता था।

हमने कोर्स में भगवान राम और कृष्ण को शामिल किया कांग्रेस ने 35 साल पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए तीन तलाक के कानून को भी लागू करवाने में दिलचस्पी नहीं ली और बहुमत के आधार पर कानून को ही गलत करार दे दिया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने तीन तलाक के कानून को लागू करवाया। आज देश की मुस्लिम माताएं, बहनें खुशहाल जीवन जी रहीं हैं।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पहले अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा पद्धति के साथ खिलवाड़ किया और जब अंग्रेज चले गए तो यही काम कांग्रेस ने भी किया।

डायबिटीज और दिल की बीमारियों की 41 दवाओं के घटाए गए दाम

नई दिल्ली। अगर आप डायबिटीज और दिल की बीमारी से ग्रस्त हैं और महंगी दवाईयों का खर्च अपका बजट बिगाड़ देता है तो यह खबर आपके लिए है. केंद्र सरकार ने डायबिटीज और दिल की बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों की कीमत घटाने का निर्णय लिया है। फार्मास्यूटिकल्स विभाग और नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइजिंग अथॉरिटी डायबिटीज से लेकर हार्ट डिजीज तक के इलाज में इस्तेमाल 41 दवाओं की कीमतें घटाने जा रही हैं। साथ ही 6 फॉर्मूलेशन के लिए कीमत भी तय कर दी गई है। भारत में सबसे ज्यादा किसी रोग के मरीज हैं तो वह है डायबिटीज। साल 2021 का आंकड़ा कहता है कि भारत में सात करोड़ से भी ज्यादा शुगर पेशेंट हैं। साथ ही हार्ट पेशेंट्स की भी संख्या अच्छी-खासी है। इनकी सुविधा के लिए सरकार ने 41 दवाओं की कीमतें घटा दी है। फार्मास्यूटिकल्स विभाग और नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइजिंग अथॉरिटी द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, एंटासिड, मल्टीविटामिन और एंटीबायोटिक्स उन दवाओं में से हैं, जो सस्ती हो जाएंगी। इसके साथ ही सभी फार्मा कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे विभिन्न दवाओं की कम कीमत की जानकारी तत्काल प्रभाव से डीलरों और स्टॉकिस्टों को दें। केंद्र सरकार ने कहा कि शुगर, दर्द, हृदय, लीवर, एंटासिड, संक्रमण, एलर्जी, मल्टीविटामिन और एंटीबायोटिक दवाओं की कीमतें तय कर दी गई हैं।

दवाओं की कीमतें कम करने का फैसला एनपीपीए की 143वीं बैठक में लिया गया। सरकार ने कंपनियों को कीमत में कटौती के फैसले के बारे में डीलरों और स्टॉकिस्टों को तुरंत सूचित करने के भी निर्देश दिए हैं।

रैली में बोलीं सोनिया गांधी- अपना राहुल आपको सौंप रही हूं

रायबरेली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए रायबरेली की जनता को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेरा आंचल आपके प्रेम और आशीर्वाद से जीवनभर भरा रहा। आपके प्रेम ने मुझे कभी भी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आपको राहुल को अपना मान कर रखना है, राहुल आपको निराश नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेठी-रायबरेली से हमारा रिश्ता 103 साल पहले किसान आंदोलन के समय से शुरू होता है और अब मैं अपना राहुल आपको सौंप रही हूं। इस दौरान सोनिया गांधी के साथ मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं।

सोनिया गांधी ने कहा कि आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया। यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। रायबरेली और अमेठी मेरा परिवार है। पिछले 100 साल से हमारे परिवार की जड़ें इस मिट्टी से जुड़ी हुई हैं। गंगा मां की माटी से रिश्ता रहा है। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए एक अलग जगह थी। उनके मन में आपके प्रति असीम लगाव था। मैंने राहुल और

प्रियंका को वही सीख दी है जो इंदिरा जी ने मुझे दी थी। सबका आदर करो। अन्याय और अधिकार की रक्षा के लिए जिससे भी लड़ना पड़े उससे लड़ो। आपके प्रेम ने मुझे कभी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका है। आईटीआई मैदान में गठबंधन की सेवा संकल्प सभा में कांग्रेस और सपा ने मिलकर ताकत दिखाई। महंगाई से लेकर इलेक्टोरल बांड तक के मुद्दों पर भाजपा पर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि पूरा देश देख रहा है। यह समाजवादी और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक सैलाब बन गए हैं। पूरे देश को दिखाया है कि पूरे दिल से आप लगे हैं। परिश्रम किया है, यह रायबरेली क्षेत्र है। मेरे परिवार का रायबरेली से गहरा रिश्ता रहा है। इस रिश्ते को अटूट बनाने के लिए राहुल गांधी मैदान में हैं। दस साल से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं परेशान हैं। जन जन की पुकार थी कि आपकी सुनवाई हो लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में कोई सुनवाई नहीं हुई। आज इस देश में आंधी उठी है कि सत्ता से तानाशाही सरकार को हटाया जाए। रायबरेली की जनता ने 100 साल पहले आवाज उठाई थी। एक बार फिर रायबरेली देश को सत्ता परिवर्तन के लिए आवाज दे रहा है।

वन विभाग के प्रयासों का असर

गर्मी में आबादी क्षेत्र में नहीं आ रहे जानवर, जंगलों में बनाए जलकुंड

सिटी चीफ इंदौर।
मई का आधा महीने निकल चुका है। गर्मी इन दिनों अपने चरम पर पहुंच चुकी है। भीषण गर्मी पड़ने से पारा 40 डिग्री को छूने लगा है। जानवर अपनी प्यास बुझाने के लिए पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकल आते है। मगर इस बार यह स्थिति नहीं बनी है, क्योंकि वन विभाग ने जानवरों का ध्यान रखते हुए जंगल में पानी की व्यवस्था की है। इंदौर वनमंडल में आने वाली चारों रेंज में छोटे-छोटे जल कुंड बनाए हैं। करीब पंद्रह वॉटर सोर्स वन कर्मियों ने तैयार किए है। जहां इनमें टैंकरों से पानी भरा जाता है। जबकि कुछ कुंड में ग्रामीण पानी भरते है।

यहां की पानी की व्यवस्था
तापमान बढ़ते ही वन्य प्राणियों में पानी की कमी तेजी से होती है। कई बार हिरण-चीतल और मोर की मौत डिहाइड्रेशन की वजह से हो जाती है। वहीं जंगलों में पानी की कमी होने पर सियार-लकड़बग्घे और तेंदुए भटकते हुए गांवों की की तरफ रुख कर लेते हैं। इसके चलते जानवरों के हमले के किस्से भी सुनने में आते है। मगर इंदौर वनमंडल में इस बार जंगल में वॉटर सोर्स यानी छोटे-छोटे जल कुंड बनाए हैं। ये इंदौर, चोरल और मानपुर रेंज में सबसे ज्यादा बने है। जबकि महू में एक्का-दुक्का स्थानों पर पानी की व्यवस्था की गई है।

प्राकृतिक जल स्त्रोतों की कर रहे सफाई
अधिकारियों के मुताबिक इंदौर में नाहरा झाबुआ, कजलीगढ़, तिंछा, चोरल में आशापुरा, उमठ, मानपुर में यशवंत नगर, कनेरिया सहित अन्य वनक्षेत्र में वॉटर सोर्स बनाए है। वन परिक्षेत्र में सीमित दूरियों में गड्ढों में साफ पानी उपलब्ध होने से हिरण भटककर जंगल से बाहर नहीं जाएंगे। जल कुंड के माध्यम से पानी की आपूर्ति जंगल के प्राकृतिक जल स्त्रोतों से कर रहे है। डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि जंगल में जहां भी प्राकृतिक जल स्त्रोत है। उनकी सफाई करवाई जा रही है। साथ ही छोटे-छोटे वॉटर सोर्स बनाए है।

कश्मीर से ड्रग्स भेजने वाला चालक गिरफ्तार मामले की जांच में जुटी पुलिस

सिटी चीफ इंदौर।
जम्मू कश्मीर से ड्रग्स भेजने वाले ट्रक चालक को पुलिस ने पंजाब में गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से 19 किलो डोडा चूरा बरामद हुआ है। चालक सेव, केले की आड़ में ड्रग्स लेकर आता था। नारकोटिक्स विंग ने दो दिन पूर्व आरोपित सलीम फैजू खान और शाहरुख अजीत मुंडा को लाखों रुपये कीमती मिथाइलीनडाईआक्सी मैथेमफेटामाइन (एमडीएमए) के साथ पकड़ा था। आरोपित ने पूछताछ में बताया उधमपुर के ट्रक चालक से ड्रग्स खरीदी थी।टीम ने चालक के मोबाइल की लोकेशन निकाली तो पंजाब की मिली। पुलिस लोकेशन के आधार पर बठिंडा (पंजाब) पहुंची तो पता चला उसको पंजाब स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने डोडाचूरा के साथ पकड़ा है। आरोपित का नाम

मिर्जा है निवासी उधमपुर (जम्मू कश्मीर) है। 20 लाख रुपये कीमती स्वर्ण आभूषण और 9 लाख रुपये कैश चुराने वाले बदमाश फैजल उर्फ मक्खी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को सोना बरामद करने के लिए रिमांड पर लिया है। जूनी इंदौर टीआई शैलेंद्रसिंह के मुताबिक मक्खी ने प्रोटिन व्यवसायी लविश वर्मा के फ्लैट में चोरी की थी। पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर जयपुर,पंजाब आदी जगहों पर तलाश कर रही थी।शुक्रवार को वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

अगली सुनवाई 24 मई को होगी

भाजपा के फरार नेता अक्षय बम की गिरफ्तारी पर रोक नहीं

सिटी चीफ इंदौर।
कांग्रेस से भाजपा में आए अक्षय कांति बम को हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत नहीं मिल पाई। इस मामले में अब अगली सुनवाई 24 मई को होगी। इस बीच पुलिस उन्हें गिरफ्तार भी कर सकती है। गौरतलब है कि इंदौर में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अक्षय ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली थी। वे कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी थे। 2007 के जमीन विवाद में अक्षय का नाम है। केस में फरियादी युनूस पटेल के आवेदन पर धारा 307 का मुकदमा अक्षय बम पर पिछले महीने दर्ज किया गया है। 10 मई को ट्रायल कोर्ट में नहीं आने पर अक्षय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ। इसी मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए अक्षय ने अग्रिम जमानत मांगी थी। सुनवाई के दौरान फरियादी युनूस ने हाई कोर्ट में अक्षय की अग्रिम जमानत पर आपत्ति ली। इसके बाद हाई कोर्ट ने लिखित आपत्ति दर्ज कराने के लिए फरियादी को सात दिन का समय

दिया है। अगली सुनवाई 24 मई को होगी।

मंडरा रहा गिरफ्तारी का खतरा
धारा 307 का मामला दर्ज होने के कारण बम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट निकल गया है। इस वजह से उन पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले इंदौर सेशन कोर्ट में भी उनका अग्रिम जमानत का आवेदन खारिज हो चुका है। अक्षय बम कानूनी राहत के लिए ट्रायल कोर्ट में रिवीजन याचिका दायर कर चुके हैं। वहां भी सुनवाई हुई है लेकिन अभी राहत नहीं मिली है। इसके अलावा अग्रिम जमानत के लिए भी ऊपरी अदालतों में प्रयास कर रहे हैं। अब दोनों ही मामलों में अलग-अलग अदालतों में सुनवाई 24 मई को होगी।

अचानक आवेदन लगा और धारा बढ़ गई
अक्षय कांति बम और उनके परिवार के कई प्राइवेट कॉलेज हैं, लेकिन उनका ज्यादा इन्वॉल्वमेंट जमीन से धंधे में है। 78 करोड़ की प्रॉपर्टी में 80% शेयर जमीनों का है। इंदौर, खरगोन, उज्जैन के छह अलग-अलग इलाकों (खजराना, बड़नगर महेश्वर, डालखेड़ा, बागोद, खजूरिया) में 25 एकड़ से ज्यादा के खेत-खलिहान, कई प्लॉट और कॉमर्शियल बिल्डिंग हैं। पार्टनरशिप में उन्होंने सबसे ज्यादा जमीन 2017 से 2022 के बीच खरीदी। अक्षय के खिलाफ दर्ज 3 में से दो मुकदमे सीधे तौर पर जमीन पर कब्जे के विवाद के हैं। चुनाव में उतरते ही उनका 17 साल पुराना जमीन विवाद का केस फिर सुर्खियों में आ गया। अचानक अदालत में पक्षकार की ओर से आवेदन लगा दिए गए जिसके बाद सुनवाई हुई तो आरोप सही पाए गए। तुरंत धारा 307 यानी प्राण घातक हमले की गंभीर धारा बढ़ गई। इसमें 10 साल तक की सजा भी हो सकती है।

अक्षय को तलाश रही कांग्रेस
वहीं शहर कांग्रेस ने अक्षय को तलाशने के लिए एक दल गठित किया है। कांग्रेस का कहना है कि फरार नेता अक्षय अभी भाजपा नेताओं के साथ घूम रहा है। वह जहां पर भी दिखेगा हम उसके वीडियो बनाएंगे और पुलिस को भेजेंगे।

डिलीट करने के आदेश, सभी अभ्यार्थियों को मिलेगा लाभ

पीएससी-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के दो प्रश्नों के उत्तरों को कोर्ट ने माना गलत

सिटी चीफ इंदौर।
हाईकोर्ट ने एमपीपीएससी-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के एक प्रश्न (प्रेस की स्वतंत्रता) को गलत मानते हुए उसे डिलीट करने के निर्देश दिए। वहीं एक अन्य प्रश्न (कबड्डी संघ का मुख्यालय) का पीएससी द्वारा दिए गए उत्तर 'दिल्ली' को गलत माना। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने इसके उत्तर जयपुर को सही करार दिया। डिलीट किए गए प्रश्न के अंक सभी अभ्यर्थियों को दिए जाएंगे। वहीं दूसरे प्रश्न का उत्तर जिन्होंने जयपुर दिया है, उन्हें भी उसके अंक मिलेंगे। हालांकि कोर्ट ने इसके पहले सिविल सेवा की 11 मार्च को आयोजित मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी थी। इन उम्मीदवारों का रिजल्ट अब हाईकोर्ट के इस फैसले के आधार पर तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्य वन सेवा की मुख्य परीक्षा के लिए नई मेरिट लिस्ट जारी करने के निर्देश दिये हैं। यह परीक्षा 30 जून से होना है।

आपत्ति पेश की गई थी
याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने बताया कि पीएससी-प्री परीक्षा में पूछे गए सवालों में से कुछ प्रश्न ऐसे हैं, जिन पर आपत्ति पेश की गई थी। इसे लेकर प्रदेश के अलग-अलग जगहों से 19 याचिकाएं मुख्यपीठ में दायर की गई थीं। भोपाल के अभ्यर्थी आनंद यादव ने राज्य सेवा परीक्षा 2023 के प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गये तीन विवादित प्रश्नों को चुनौती दी थी। फ्रीडम ऑफ प्रेस से जुड़ा सवाल, ग्रीन मफलर किस प्रदूषण से संबंधित है, एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन का हेडक्वार्टर से जुड़े सवालों पर आपत्ति पेश की गई थी।

पिछली सुनवाई पर यह कहा था कोर्ट ने
पिछली सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट कहा था कि चूंकि यह जनहित याचिका नहीं है, इसलिए उन्हीं उम्मीदवारों के प्रकरणों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने आपत्ति पेश की है और याचिका दायर की है। एकलपीठ ने सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त आदेष जारी किये।

राज्य वनसेवा परीक्षा 2021 के साक्षात्कार 27 मई से
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य वनसेवा परीक्षा 2021 में चयनित उम्मीदवारों को साक्षात्कार का बुलावा भेज दिया है। अगले सप्ताह से इन उम्मीदवारों को पैनल अपने मापदंड पर परखेगी, जो 27 से 31 मई तक साक्षात्कार की प्रक्रिया चलेगी। 63 पदों के लिए 450 से अधिक उम्मीदवार हिस्सा लेंगे। आयोग ने साक्षात्कार प्रक्रिया से संबंधित दिशा-निर्देश व गाइडलाइन जारी की है। साक्षात्कार शुरू होने से घंटे भर पहले उम्मीदवारों को आयोग कार्यालय में मूल दस्तावेज लेकर पहुंचना होगा। मप्र लोक सेवा आयोग ने राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का अक्टूबर 2022 में रिजल्ट जारी किया था। 63 पदों के लिए 1700 उम्मीदवार चयनित हुए थे, जिसमें 1206 मुख्य और 569 प्रावधिक सूची में रखे है। ज्यादातर रेंजर के रिक्त पद है। 20 अगस्त को आयोग ने मुख्य परीक्षा आयोजित की, जो सिर्फ इंदौर के तीन केंद्रों पर करवाई गई। महीनेभर के बाद रिजल्ट घोषित किया गया। 450 से अधिक उम्मीदवारों का चयन साक्षात्कार के लिए हुआ है। आयोग ने 27 से 31 मई के बीच प्रक्रिया रखी है। आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि उम्मीदवारों को तय दिनांक पर साक्षात्कार के लिए पैनल के समक्ष प्रस्तुत होना है। उसके पहले उम्मीदवारों के जमा दस्तावेजों का मिलान मूल प्रतियों से किया जाएगा।

जून से शुरू होंगी परीक्षाएं
लोकसभा चुनाव के चलते आयोग ने अप्रैल-मई के बीच कोई परीक्षाएं नहीं रखी थी। कार्यक्रम में फेरबदल करते हुए जून से परीक्षा करवाने पर जोर दिया है। वैसे इन दिनों राज्य सेवा परीक्षा 2021 के साक्षात्कार चल रहे है, जो 24 मई तक चलेंगे। 290 पदों के लिए 1046 को साक्षात्कार की प्रक्रिया गुजर रहे है। इसके बाद सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2022 को लेकर परीक्षा होगी। आठ विषयों के 826 पदों के लिए रखी गई है, जिसमें बॉटनी (126), कॉमर्स (124), अंग्रेजी (200), हिन्दी (116), इतिहास (77), गृह विज्ञान (42), गणित (124), संस्कृत (17) शामिल है। जबकि 129 खेल अधिकारी और 200 ग्रंथपाल के पद रखे है।

अवैध खनन मामले में नहीं दिया है कोई जवाब

पूर्व विधायक संजय शुक्ला को फिर नई तारीख

सिटी चीफ इंदौर।
कांग्रेस से बीजेपी में आए पूर्व विधायक संजय शुक्ला को फिर से नई तारीख मिली है। 140 करोड़ रुपए के अवैध खनन मामले में उन्हें एडीएम कोर्ट में पेश होकर जवाब देना था। शुक्ला की पेशी की तारीख 19 अप्रैल तय थी। वहीं, बीजेपी में शामिल होने के बाद संजय शुक्ला न तो कोर्ट में पेश हुए हैं और न ही इस मामले में कोई जवाब दिया है।
इसके बाद फिर से जवाब देने के लिए उन्हें नई तारीख दी गई है। दरअसल, पूर्व विधायक संजय शुक्ला और उनके भाई राजेंद्र शुक्ला सहित दो अन्य लोगों पर प्रशासन ने अवैध खनन के मामले में 140 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना

लगाया था। इन पर आरोप था कि क्षमता से अधिक खनन किया था। इसी के आधार पर केस दर्ज हुआ है। प्रशासन ने अब 16 मई की तारीख दी थी। उसमें शुक्ला बंधुओ को एडीएम कोर्ट में पेश होकर जवाब देना था। इस तारीख पर भी न तो वे खुद आए और न ही उनके वकील आए हैं। एक बार फिर से तारीख संजय शुक्ला को एडीएम कोर्ट ने नई तारीख दी है। उन्हें या उनके वकील को निर्धारित तारीख को कोर्ट में पेश होना है। हालांकि इस लेकर लेकर पूर्व विधायक संजय शुक्ला की प्रतिक्रिया नहीं आई है। संजय शुक्ला इंदौर-1 से कांग्रेस के विधायक रहे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में वह कैलाश विजयवर्गीय से हार गए। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। साथ ही बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। पूर्व विधायक संजय शुक्ला की गिनती इंदौर के बड़े कारोबारियों में होती है। वह खनन का काम करते हैं। एक समय में वह एमपी के सबसे अमीर विधायक हुआ करते थे।

इंदौर में अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध हटा

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन के तहत स्ट्रॉन्ग रूम निगरानी, मतगणना एवं अन्य निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी/कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कर्मचारियों के छुट्?टी पर लगाया गया प्रतिबंध हटाया गया है। संबंधित कर्मचारियों के अवकाश संबंधी आवेदनों के निराकरण/स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्व के भाँति रहेगी। संबंधित कार्यालय प्रमुख/प्राधिकृत अधिकारी छुट्?टी के आवेदनों का नियमानुसार निराकरण/स्वीकृति की प्रक्रिया कर सकेंगे। इंदौर जिले में 13 मई को सम्पन्न हुये लोकसभा निर्वाचन के मतदान में श्रेष्ठतम कार्य करने वाले जिले के 82 बूथ लेवल अधिकारियों(बीएलओ) एवं 11 वॉलेन्टियर को आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप बूथ लेवल अधिकारियों(बीएलओ) एवं वॉलेन्टियर को नगद राशि एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बूथ लेवल अधिकारियों(बीएलओ) को पाँच-पाँच हजार रुपये एवं वॉलेन्टियर को ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये दिये गये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी बीएलओ और वॉलेन्टियर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनकी विशेष मेहनत और प्रयासों के फलस्वरूप जिले में बेहतर मतदान हुआ है। सभी ने रूचि लेकर स्वप्रेरणा के साथ मतदाता जागरूकता के लिए उत्कृष्ट कार्य किये है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वे इसी तरह पूरी लगन और कर्मठता के साथ अपने विभागीय कार्यों को भी करे। गौरतलब है कि मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में ऐसे मतदान केन्द्र जहां 75 प्रतिशत से अधिक और ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे मतदान केन्द्र जहां 80 प्रतिशत से अधिक वोटिंग हुई हो, वहां के बूथ लेवल अधिकारियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान वाले 51 मतदान केन्द्रों के बीएलओ को और शहरी क्षेत्र के 75 प्रतिशत से अधिक मतदान वाले 31 मतदान केन्द्रों के बीएलओ को सम्मानित किया गया।

ऑनलाइन गेम से हुई कमाई दिखानी होगी, विदेशी संपत्ति का ब्योरा देना जरूरी

सिटी चीफ इंदौर।
आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए जारी हुआ नया फार्म काफी बदलावों के साथ है। फार्म में हुए ये बदलाव करदाता से पहले कर सलाहकारों और चार्टर्ड अकाउंटेंट के लिए समझना जरूरी है। टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन (टीपीए) ने शुक्रवार को नए रिटर्न फार्म में हुए बदलावों पर चर्चा की। कर पेशेवरों को बताया गया कि नए फार्म के बदलाव से व्यक्तिगत करदाता से लेकर एनआरआइ तक प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में रिटर्न दाखिल करने में सावधानी बहुत जरूर है। सेमिनार की शुरुआत करते हुए इंदौर सीए शाखा के चेयरमैन सीए अतिशय खासगीवाला ने कहा कि आयकर रिटर्न की प्रोसेसिंग अब पूर्णत: आइटीआर में दर्शाई गई जानकारी के आधार पर हो रही है। अत: आवश्यक है कि रिटर्न फार्म सावधानी से भरें। चाही गई जानकारी सही-सही दर्शाएं। अन्यथा अंतर होने पर नोटिस का सामना करना पड़ सकता है। सेमिनार का संचालन कर रहे टीपीए के सचिव सीए अभय शर्मा ने कहा कि तमाम बदलावों के बावजूद इस वर्ष समय से विभाग ने रिटर्न फार्म जारी कर दिए हैं जो स्वागतयोग्य है। टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सीए जेपी सराफ ने बताया कि कर प्रशासन में सबसे महत्वपूर्ण टूल आइटीआर होता है क्योंकि आनलाइन रिटर्न दाखिल करते ही विभाग का सिस्टम उपलब्ध सारी जानकारी से रिटर्न डाटा मैच कर अंतर की दशा में स्वत: नोटिस जारी करता है। अत: आवश्यक है कि रिटर्न पूर्ण सावधानी से तैयार किया जाए। मुख्य वक्ता सीए दीपक माहेश्वरी ने कहा कि इस साल रिटर्न दाखिल करते हुए ऐसे लोग जो विदेश में संपत्ति रखते हैं या एनआरआइ हैं, उन्हें भी अपनी संपत्ति का विस्तृत ब्योरा देना होगा। साथ ही आनलाइन गेमिंग को लेकर भी नए रिटर्न फार्म में इस साल से बिंदु जोड़ा गया है। आनलाइन गेम्स अब भारत में न केवल संचालित हो रहे हैं बल्कि इससे आर्थिक पक्ष भी जुड़ा है। सरकार ने इस वर्ष कानून में एक नई धारा

प्रतिस्थापित कर उस पर करारोपण को विनियमित किया है। इस संबंध में आयकर रिटर्न फार्म में भी शेड्यूल जोड़कर आवश्यक जानकारी चाही गई है। सीए माहेश्वरी ने यह भी बताया कि इस वर्ष से नई कर प्रणाली को अब डिफॉल्ट बना दिया गया है। जो व्यक्ति पुरानी कर प्रणाली के अंतर्गत टैक्स भरना चाहते हैं, उनके लिए छूट प्राप्त करने हेतु जानकारी को अधिक विस्तृत कर दिया गया है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों को दिए गए चंदे के बारे में अब रिटर्न फार्म में काफी विस्तृत जानकारी मांगी गई है। इसके अतिरिक्त आश्रितों के चिकित्सा पर होने वाले खर्च की छूट के लिए भी विस्तृत जानकारी अलग से चाही गई है। इसका असर यह होगा कि अब इन छूटों के बाबद कोई फर्जी क्लेम करना संभव नहीं हो पाएगा। आयकर विभाग के पास करदाता से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हैं, यदि कोई भी करदाता इन्हें अनदेखा करते हुए अपना रिटर्न भरता है तो उसे नोटिस आने की पूरी-पूरी संभावना रहती है। धन्यवाद अभिभाषण आइसीएआइ के रीजनल काउंसिल मेंबर सीए कीर्ति जोशी ने दिया। इस अवसर पर सीए शैलेंद्र सिंह सोलंकी, सीए आनंद जैन, सीए सुनील पी. जैन, सीए सोम सिंहल, सीए प्रमोद तापड़िया, सीए प्रणय गोयल, सीए अजय समरिया, एडवोकेट गोविंद गोयल, सीए संकेत मेहता, सीए सुनील जी. खंडेलवाल, सीए स्वप्निल जैन सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

10वीं व 12वीं के परिणाम में उप्र, बिहार और छग से भी पीछे मध्यप्रदेश

सिटी चीफ भोपाल।

10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम में मध्यप्रदेश बोर्ड इस साल कई राज्यों से पीछे रह गया है। मध्यप्रदेश का प्रदर्शन उत्तरप्रदेश (उप्र), बिहार और छत्तीसगढ़ (छग) से भी खराब रहा। बता दें कि सभी राज्यों के 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी हो चुका है। इस वर्ष मप्र बोर्ड 10वीं का परिणाम 58.10 प्रतिशत और 12वीं का 64.49 प्रतिशत रहा, जबकि छत्तीसगढ़ में 10वीं का परिणाम 75.61 तो 12वीं का 80.74 प्रतिशत आया है, जबकि मप्र बोर्ड 10वीं में इस साल बेस्ट आफ फाइव योजना भी लागू थी। इसके बावजूद 10वीं का पिछले साल से भी सवा पांच फीसद परिणाम खराब रहा है। वहीं 12वीं का परिणाम भले ही पिछले साल की तुलना में बढ़ा है, लेकिन अन्य राज्यों से काफी पीछे है। अब अगले साल से मप्र बोर्ड 10वीं से बेस्ट आफ फाइव योजना समाप्त हो रही है। इस कारण स्कूल शिक्षा विभाग अभी से कमियों को तलाश कर स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था में

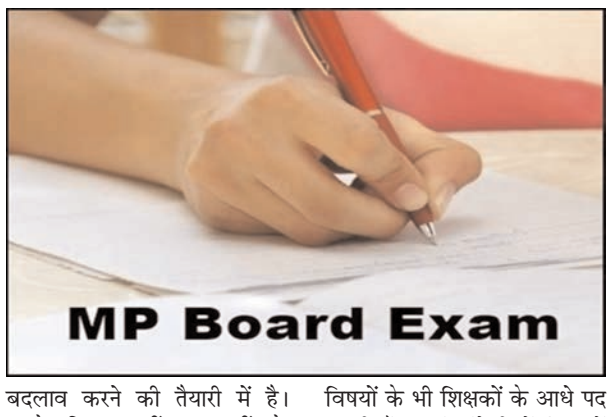

बदलाव करने की तैयारी में है। इसके लिए 10वीं व 12वीं के परिणामों की विषयवार व स्कूलवार समीक्षा की जा रही है। हालांकि विभाग द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अलावा सीएम राइज और पीएमश्री स्कूल भी खोले जा रहे हैं, लेकिन फिर भी परिणाम में फिसड्डी ही साबित हो रहे हैं।

अंग्रेजी व गणित के शिक्षकों के आधे पद खाली

उच्च माध्यमिक वर्ग में अंग्रेजी, गणित और हिंदी सहित अन्य विषयों के भी शिक्षकों के आधे पद खाली हैं। जहां अंग्रेजी में शिक्षकों के स्वीकृत 5900 पदों में से 2910 पद खाली हैं, वहीं गणित में स्वीकृत 3700 पद में से 1823 पद खाली हैं। इसी तरह हिंदी में 6040 स्वीकृत पदों में से 3029 पद खाली हैं।

मप्र का परिणाम खराब रहने का यह है कारण

शिक्षाविदों का कहना है कि यहां विषयवार शिक्षकों की कमी है। अंग्रेजी, विज्ञान और गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय अतिथि शिक्षक पढ़ा रहे हैं। शिक्षकों को सालभर स्कूलों में पढ़ाई कराने के बजाय बीएलओ सहित अन्य गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है। बीते साल विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई। इसके अलावा विभिन्न विभागों में प्रतिनियुक्ति पर अटैच किए गए शिक्षकों के कारण भी शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्कूलों में प्राचार्यों के खाली पद होने के कारण शिक्षकों को प्रभार देने के कारण प्रबंधन की व्यवस्था भी सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। स्कूलों में कई प्रकार के टेस्ट लिए जा रहे हैं, लेकिन इसकी खानापूर्ति ही हो रही है।

इनका कहना है

10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणामों का जिलावार और विषयवार विश्लेषण किया जा रहा है। इसमें विषयवार सामने आने वाली कमजोरियों को चिह्नित कर शिक्षक प्रशिक्षण कराया जाएगा। साथ ही क्लासरूम टीचिंग पर विशेष फोकस किया जाएगा। इस बार अंग्रेजी, गणित व विज्ञान सहित मुख्य विषयों पर अधिक फोकस रहेगा। शिक्षकों की उपलब्धता भी कराई जाएगी।

इंडिगो की शाम की दिल्ली उड़ान तीन घंटे और बेंगलुरू एक घंटा लेट

सिटी चीफ भोपाल।

एयर ट्रेफिक कंजेशन के कारण शुक्रवार को भी हवाई यातायात प्रभावित हुआ। एयर इंडिया की इवनिंग दिल्ली उड़ान संख्या 6-ई 2172 शाम 4.30 बजे के बजाय तीन घंटे विलंब से शाम 7.30 बजे भोपाल पहुंची। बेंगलुरू इवनिंग उड़ान संख्या 6-ई 6465 भी करीब एक घंटे की देरी से रात्रि 10.30 बजे पहुंची। मुंबई की रात्रिकालीन उड़ान संख्या 6-ई 397 भी 20 मिनट लेट हुई। अहमदाबाद उड़ान भी 20 मिनट लेट हुई। प्रयागराज से भोपाल आने वाली उड़ान संख्या 6-ई 7925 निर्धारित समय दोपहर 1.25 बजे के बजाय दोपहर 2.25

बजे राजा भोज एयरपोर्ट पर लैंड हुई। पिछले एक सप्ताह से मौसम की खराबी एवं अन्य कारणों से हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है।

पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने पर युवक गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के सीमावर्ती क्षेत्र मिसरोद में पंचर की दुकान चलाने वाले मंडीदीप निवासी 40 वर्षीय फैसल खान को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए, शुक्रवार को वीडियो इंटरनेट मीडिया के अलग - अलग माध्यमों पर बहुप्रसारित होने पर एक हिंदू संगठन के पदाधिकारी उसकी दुकान पर पहुंचे, पकड़कर थाने ले गए और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मिसरोद पुलिस ने युवक के खिलाफ धारा 153 बी के तहत कार्रवाई की है। पूछताछ में युवक ने बताया कि जिसने उसका वीडियो बनाया है, वह उसका दोस्त था। मजाक में उसने यह शब्द कहे थे, पता नहीं था वीडियो इस तरह से इंटरनेट बहुप्रसारित हो जाएगा।

मिसरोद थाना प्रभारी मनीष भदौरिया के मुताबिक फैसल खान पेट्रोल पंप के पास पंचर की दुकान चलाता है। गुरुवार को किसी से बात करते हुए उसने पाकिस्तान जिंदाबाद कह दिया था। शिकायत पर युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार को कोर्ट में पेश करेंगे।

हिंदू संगठन ने की शिकायत

हिंदू संगठन के लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित वीडियो देखने के बाद आरोपित फैसल खान के पास पहुंचे तो वह उनसे अभद्रता करने लगा। इसके बाद कार्यकर्ता उसे मिसरोद पुलिस के हवाले किया और उसके खिलाफ केस दर्ज कराया।उसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है।

तीन हजार कर्मचारी करेंगे 13 लाख मतों की गिनती

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल के आठ में से सात विधानसभा क्षेत्र के लगभग 13 लाख 29 हजार 205 मतों की गिनती करीब तीन हजार अधिकारी - कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। दरअसल पुरानी जेल में बनाए गए स्ट्रांग रूम में भोपाल जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान की ईवीएम रखी गई हैं।इनकी गिनती को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंप दी है। साथ ही नगर निगम, पुलिस सहित अन्य विभागों से तमाम व्यवस्था करने के लिए भी कहा है। बता दें कि चार जून को सुबह आठ बजे से मतगणना होगी । कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी करते हुए अधिकारियों को मतगणना संबंधी जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इनमें संयुक्त कलेक्टर आदित्य जैन मतगणना दल और माइक्रो आब्जर्वर का पहला, दूसरा और तीसरा रेंडमाइजेशन कराएंगे।

जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ विनोद यादव मतगणना में लगे अधिकारी-कर्मचारियों की प्रशिक्षण प्रक्रिया पूरी कराएंगे। जिला सूचना अधिकारी ताजवर मुशर्रफ, सहायक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बद्री प्रसाद, ई-गर्वनेंस मैनेजर विकास गुप्ता और लोकसेवा प्रबंधक प्रसून सोनी परिणाम का टेबुलेशन करेंगे। डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते को प्रवेश कार्ड, अजय शर्मा को डाक मतपत्र समेत जनसंपर्क अधिकारी अरुण शर्मा, आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार, राकेश निगम, अरविंद चौहान को मतगणना स्थल पर विभिन्न व्यवस्थाएं करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम, दिए आदेश

पुरानी जेल में जिले के सात विधानसभा क्षेत्र बैरसिया, उत्तर, मध्य, नरेला, दक्षिण-पश्चिम, हुजूर, गोविंदपुरा के दो हजार 97 मतदान केंद्रों की ईवीएम स्ट्रांग रूम में रखी हुई हैं। यहां पर तीन स्तर की सुरक्षा लगाई गई है। चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है।पुलिस बल भी तैनात है इसके अलावा राजनीतिक दलों के उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि भी मौजूद हैं।चार जून को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। इस दौरान भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। लगभग 500 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहेंगे।

पांच हजार अधिकारी -कर्मचारी रहेंगे मौजूद

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आदेश जारी किए हैं कि चार जून को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। इस दौरान पुरानी केंद्रीय जेल अरेरा हिल्स मतगणना स्थल पर पांच हजार अधिकारी - कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मतगणन स्थल पर चौबीस घंटे दो एंबुलेंस मय चिकित्सा सुविधा केंद्र सहित चिकित्सा दल एवं आवश्यक चिकित्सा सामग्री के साथ मौजूद रहेंगी। इसके अलावा निगमायुक्त को आदेश दिए हैं कि आपा स्थिति से निपटने के लिए एक फायर ब्रिगेड तीन जून शाम चार बजे से मतगणना कार्य समाप्त होने तक मौजूद रहेगी।

शायर मंजर भोपाली को 1990 में लिखे गीत पर अब मिल रही धमकियां

सिटी चीफ भोपाल।

1990 में लिखे गए एक गीत पर अब बरसों बाद हंगामा मचा हुआ है। ऐन चुनाव के दौरान सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हुए गीत के बाद अंतरराष्ट्रीय शायर मंजर भोपाली को धमकी भरे कॉल आ रहे हैं, वे लगातार चेतावनियों से घिरे हुए हैं। मुझको अपनी बैंक की किताब दीजिए, देश की तबाही का हिसाब दीजिए... शब्दों से भरा गीत शायर मंजर भोपाली ने वर्ष 1990 में लिखा था। उन्होंने पहली बार वर्ष 1991 में वॉशिंगटन के मंच पर पढ़ा था। इसके बाद लंबे समय तक मंजर ने इस गीत को न पढ़ा और न ही कहीं इसका जिक्र हुआ। लेकिन, इतने बरसों बाद चुनाव के दौरान इस गीत का वीडियो अचानक वायरल हो गया। अलग-अलग प्लेटफार्म पर लाखों लोगों ने इसको शेयर किया। जिसके बाद हड़कंप के हालात बनते गए।

शुरू हुआ धमकियों का सिलसिला

बरसों पुराने इस गीत के वायरल होने से सत्ता पक्ष ने इसे अपने खिलाफ महसूस किया है। जिसके बाद शायर मंजर भोपाली को तरह-तरह से धमकियां मिलने लगी हैं। फोन, मैसेज और व्यक्तिगत मुलाकात के जरिए मंजर पर इस गीत को सोशल मीडिया से हटाने का दबाव बनाया जाने लगा है। ऐसी सारी धमकियों और समझाइश का मंजर के पास एक ही जवाब है कि उन्होंने न तो इस गीत को सोशल मीडिया पर शेयर किया है और न ही सत्ता पक्ष के खिलाफ कुछ कहने की उनकी मंशा है। ऐसे में वे किसी प्लेटफार्म से इस गीत को कैसे हटा सकते हैं। मंजर ने ऐसे सभी लोगों को यह मशविरा जरूर दिया है कि सरकार के हाथ में सारे सूत्र हैं, वे चाहें तो जहां से, जो भी हटाना या बढ़ाना चाहें, आसानी से कर सकते हैं।

सबसे ज्यादा घुटन में कलमकार

शायर मंजर भोपाली कहते हैं कि वे करीब 45 साल से मंचों से वाबस्ता हैं। उन्होंने कई दौर आते जाते देखे हैं। इस दौरान कई बदलाव हुए हैं। लेकिन, वर्तमान दौर में एक अजीब तरह की घुटन महसूस की जा रही है। इस

घुटन की जकड़ में सबसे ज्यादा एक कलाकार है। वह न तो अपने मन का लिख पाने की हालत में है, न ही कुछ कह पाने की उसको इजाजत है।

राम का मुल्क यह, चिश्तियों का देश

मंजर भोपाली कहते हैं कि यह देश राम का है, यहां कई चिश्ती भी आए, गुरु नानकजी और गौतम बुद्ध ने भी यहां आकर मुहब्बत का पैगाम दिया है। लेकिन, अब सियासत की भाषा कुछ बदली हुई सुनाई पड़ती है। मंजर कहते हैं कि जिस तरह हम बचपन में बचकाना बोल सुना करते थे, वैसे ही बोल अब सियासत से सुनाई देते हैं। वे कहते हैं कि अब सियासत की उम्र बहुत छोटी हो गई है।

140 करोड़ मेरे मुहाफिज

अचानक हुए घटनाक्रम के बाद भी मंजर भोपाली सहज ही दिखाई देते हैं। इस बेफिक्री पर वे कहते हैं कि उन्हें किसी का डर या खौफ इसलिए नहीं कि उनकी सुरक्षा करने के लिए देश के 140 करोड़ बहन-भाई हैं। देश ने उन्हें जो मुहब्बत और सम्मान दिया है वह उस समय और गहरा जाता है, जब वे मुल्क से बाहर होते हैं। वे बताते हैं कि अब तक 34 मर्तबा अमेरिका जा चुके हैं, लेकिन जब अपने देश से बाहर होते हैं उन्हें देश से मिला हुआ सम्मान पराए मुल्क में मिलने वाले रिस्पॉन्स अपने देश के लिए गर्व बढ़ा देता है।

प्रत्याशी से चुनाव की रिपोर्ट लेगी कांग्रेस पूछी जाएगी मतगणना की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा की सीटों के लिए मतदान होने के बाद अब कांग्रेस मतगणना की तैयारी में जुट गई है। 20 मई को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सभी प्रत्याशियों की बैठक बुलाई गई है। इसमें मतदान को लेकर लोकसभावार रिपोर्ट ली जाएगी और मतगणना की तैयारी पर चर्चा होगी। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी जितेंद्र सिंह समेत वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कांग्रेस ने इस बार प्रदेश की 29 में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ा है। इंदौर में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नाम वापस ले लिया था तो खजुराहो सीट समझौते के तहत समाजवादी पार्टी को दी गई थी। यहां पार्टी की प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन पत्र निरस्त हो गया था, जिसके बाद आइएनडीआइए ने आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के प्रत्याशी आरबी प्रजापति को समर्थन दिया। बाकी सभी 27 सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में थे। 20 मई को इन सभी को प्रदेश कार्यालय बुलाया है। यहां सभी से चुनाव प्रचार से लेकर मतदान की स्थिति

पूछी जाएगी। पार्टी के 25 विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में कम मतदान रहा है। विधायकों, जिला और ब्लाक इकाई, बूथ, मंडलम और सेक्टर इकाई के साथ अन्य संगठनों की भूमिका के बारे में भी फीडबैक लिया जाएगा। साथ ही मतगणना की तैयारी को प्रत्याशी की कार्ययोजना पर बात होगी।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों पर दर्ज आठ हजार वन अपराध के प्रकरण समाप्त करेगी सरकार

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के आदिवासियों पर दर्ज करीब आठ हजार वन अपराध राज्य सरकार खत्म करेगी। इसके लिए वन मुख्यालय ने सभी डीएफओ को कार्ययोजना भेजी है। इसके लिए वन मुख्यालय ने सभी वन मंडलाधिकारियों (डीएफओ) को कार्ययोजना भेजी है। इस कार्य योजना के अनुसार आगामी तीन माह में वन अधिनियम 1927 एवं वन्य प्राणी (संरक्षण अधिनियम 1972) के अंतर्गत अनुसूचित जनजातीय वर्ग के व्यक्तियों के विरुद्ध विगत 10 वर्षों के पंजीबद्ध प्रकरणों के निराकरण के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है, जिन्हें समाप्त किया जाना है। वन मुख्यालय के अनुसार, वन विभाग एवं न्यायालय में लंबित कुल प्रकरणों की संख्या सात हजार 902 है। अनुसूचित जनजातीय वर्ग के व्यक्तियों के विरूद्ध विगत 10 वर्षों के पंजीबद्ध प्रकरणों में से लंबित 3470 प्रकरणों के निराकरण के लिए कार्य आयोजना तैयार की गई है। 40 जिलों के वनमंडलों में 0 से 100 प्रकरण हैं जिनमें वन विभाग के पास 875 प्रकरण लंबित हैं जिन्हें एक माह में निराकृत किया जाना है।

11 जिले बालाघाट, बैतूल, रायसेन, सतना, सागर, दमोह, सिवनी, उमरिया, अनूपपुर, शिवपुरी एवं गुना के वनमंडलों में 100 से 300 प्रकरण हैं जिनमें वन विभाग के

पास 2085 प्रकरण लंबित हैं जिन्हें दो माह में निराकृत किया जाना है। एक जिले बुरहानपुर वनमंडल में 300 से अधिक प्रकरण हैं जिनमें से वन विभाग के पास 513 प्रकरण लंबित हैं जिन्हें तीन माह में निराकृत करना है। इस प्रकार वन विभाग के पास कुल 3470 प्रकरण लंबित हैं। 10 वर्ष में 30 हजार से अधिक प्रकरण दर्ज, 22 हजार 717 किए निराकृत

पिछले दस वर्षों में सभी जिलों के वनमंडलों में कुल 30 हजार 619 प्रकरण दर्ज हुए हैं। जिनमें से 22 हजार 717 प्रकरण निराकृत कर दिए गए हैं। वहीं लंबित प्रकरणों की संख्या सात हजार 902 है जिनमें से 3470 प्रकरण वन विभाग के पास लंबित हैं और चार हजार 432 प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं। न्यायालय में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए सरकारी वकीलों के माध्यम से राज्य सरकार न्यायालय से अनुरोध कर रही है।

साम्पदकीय

चुनाव आयोग नाराज़ है यानी ज़िंदा है!

सुन कर कुछ राहत मिली कि चुनाव आयोग भी नाराज हो सकता है। नाराज किस पर हुआ, यह आगे देखा जाएगा लेकिन इतना तो साबित हो गया कि संस्था जीवंत है। आमतौर पर केचुआ अगर तन कर प्रति-आघात करे तो यह उसके अस्तित्व की तस्दीक है। प्रजातंत्र में कोई संस्था इंजर्ड इनोसेंस दिखा कर देश को गुमराह करने के लिए ही अगर सेलेक्टिव एप्रोप्रिएशन ऑफ़ फैक्ट्स (अपने तर्क के समर्थन में मतलब वाला तथ्य प्रस्तुत करना) और सेलेक्टिव एम्नेशिया (असहज करने वाले तथ्य को भूलने का नाटक) का सहारा लेकर तन कर खड़ी होती है तो उम्मीद बनती है कि कभी न कभी इसकी रीढ़ भी बनेगी। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष के पत्र पर नाराजगी दिखाते हुए कहा कि इससे मतदाताओं पर नकारात्मक असर पड़ेगा। दरअसल, अध्यक्ष ने अपने पत्र में शंका व्यक्त की थी क्योंकि आयोग ने मत-प्रतिशत का अंतिम आंकड़ा दस दिनों बाद दिया जो अपेक्षाकृत काफी बढ़ा हुआ था। इससे चुनाव में गड़बड़ी का शक विपक्षी दलों को था। इतना विलंब पहली बार हुआ और वह भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के ज़माने में जबकि मत-पेटियों के जिला मुख्यालय पहुँचने के चंद मिनटों-घंटों में अंतिम आंकड़ा मिल जाया करता था।लेकिन आयोग को तब गुस्सा नहीं आया जब मॉडल कोड की ही नहीं, आईपीसी के सेक्शन 153 (अ) की धज्जी उड़ाता देश का प्रधानमंत्री दिन में सौ बार धर्म, हिन्दू-मुसलमान, मंगलसूत्र, झूठ और उन्माद भड़काने वाले भाषण दे रहा था। तब इस संस्था के किरदारों को क्यों सांप सूंघ जाता है? स्वामित्व का भाव ही तो था जब कुछ माह पहले पीएमओ ने इसे एक ज़रूरी बैठक में भाग लेने का आदेश दिया था और उसका अनुपालन हुआ? दासत्व का भाव नहीं तो क्या था जब भीषण कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग को ठेंगा दिखाते हुए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पश्चिम बंगाल के विधान सभा में भीड़ के बीच दीदी, ओ, दीदी मिमिक्री कर रहे थे और आयोग स्वामी के खिलाफ कदम उठाने की जुर्रत नहीं कर रहा था। सर्वाइवल इम्परेटिव (जीने की शर्त मानने की मजबूरी) नहीं तो क्या है जब विपक्ष के छोटे से आक्षेप पर आयोग नोटिस भेज देता है लेकिन भाजपा के एक चीफ मिनिस्टर के चुनाव भाषण में औरंगजेब की औलादों को सबक सिखायेंगें कहने पर भी आयोग मुंह फेर लेता है। शायद इन पर कदम उठाने के लिए रीढ़ चाहिए। और फिर विपक्ष से नाराजगी तो दास-भाव का आभूषण है। लेकिन इस चुनाव में जिस घटिया स्तर तक चुनाव-प्रचार को गिराया गया है, उससे कहा जा सकता है कि सख्त कानून और मजबूत संस्था होती तो ऐसे नेताओं के सार्वजानिक जीवन में रहने पर पाबंदी लगा देती। दस वर्ष के शासन काल के बाद भी अगर किसी प्रधानमंत्री, उसके कई चीफ मिनिस्टर्स और नेता धर्म, जाति, अगड़ा-पिछड़ा, काला-गोरा, अमीर-गरीब, 15-मिनट-बनाम-15-सेकंड, अर्ध-सत्य बता कर बदनाम करने वाले आंकड़े, बलात्कार के सच्चे-झूठे आरोप और मंदिर-बनाने-वाले-बनाम-मंदिर-में-ताला-लगवाने-वाले- बयान दें तो इसे विकास का संवाहक शासन कहा जाएगा? राज्य में राजधर्म निभाने से चुका नेता इसके अलावा और कर भी क्या सकता है!यह स्थापित अवधारणा है कि नैतिकता के एक पैमाने पर गिरा व्यक्ति या ढही संस्था दूसरे नैतिक पैमाने पर तन कर नहीं खड़ी हो सकती। व्यक्ति की तरह संस्था की भी नैतिक मूल्यों पर अपने को बलिदान करने तक की जिद अपने आचरण से बताना होता है। कोई यह नहीं कह सकता कि आजकल वह ईमानदार हो गया है, या था तो ईमानदार लेकिन हालात ने मजबूर कर दिया।हाँ, लोक आचरण में कई बार हम ईमानदारी का नाटक करते हैं। हमारा व्यवहार क्राइसिस के क्षणों में, पूर्ण-शक्तिवान होने के अवसरों पर, दूसरों द्वारा देखे न जाने की स्थिति में भी अगर स्थापित मानदंडों पर खरा है तो नैतिक हैं, फौलाद की मानिंद। चुनाव आयोग एक संस्था है जिसको देश के 140 करोड़ लोग चुनाव के दौरान बेहद दिलचस्पी से देखते हैं और उसके नैतिक तंतुओं की शक्ति को परखते हैं। जब उसके आयुक्तों को सत्ता के प्रसाद के रूप में कोई ताकतवर प्रधानमंत्री नियुक्त करता है तो जनता की पारखी नज़र और गहरी हो जाती है। यही सोच कर संविधान निर्माताओं ने इनको पद से हटाने की प्रक्रिया जजों को हटाने की प्रक्रिया की तरह पुख्ता की है ताकि वे भयमुक्त हो कर काम करें।

हम कब बंद करेंगे प्लास्टिक का उपयोग? UN की बाध्यकारी संधि जैसी पहल के बाद भी सवाल का जबाव मिलना बाकी

हाल ही में कनाडा की राजधानी ओटावा में प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय संधि के लिए गहन मंथन के बाद राष्ट्रों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के प्रारूप पर सहमति बनी, जो इसी वर्ष के अंत में बुसान में होने वाली बैठक में सहभागियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। प्लास्टिक प्रदूषण से दुनिया का कोई भी राष्ट्र अछूता नहीं है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र एक बाध्यकारी संधि के लिए पहल की है।

प्लास्टिक प्रदूषण से समस्त मानवता और जैविक सभ्यता निरंतर प्रभावित हो रही है। 20वीं सदी की महान उपलब्धि प्लास्टिक धीरे-धीरे संपूर्ण मानव सभ्यता व प्रकृति के लिए एक बड़े संकट के रूप में प्रकट हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में एक ही बार उपयोग में आने वाली प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन अब भी प्रतिवर्ष 600 अरब डॉलर मूल्य का करीब 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। यह उत्पादन 2050 तक करीब 100 करोड़ टन प्रतिवर्ष से भी बढ़ जाएगा। तथ्य यह है कि जितने प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है, उसके नौ फीसदी की ही रीसाइक्लिंग हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार, अधिकांश प्लास्टिक या तो खुले में जलाया जा रहा है या यत्र-तत्र फेंक दिया गया है। दीर्घ आयु होने के नाते इसका निरंतर उपयोग या दुरुपयोग होता रहता है। इन्हीं वजहों से वर्ष 2040 तक सभी प्रकार के प्लास्टिक उत्पादन को 60 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है, अन्यथा यह चक्र कभी रुकने वाला नहीं है। प्लास्टिक के समर्थक तर्क देते हैं कि इससे 3.5 फीसदी ही कार्बन उत्सर्जन होता है, लेकिन प्लास्टिक की पहुंच और भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पश्चिम प्रशांत महासागर में 36,000 फुट की गहराई और माउंट एवरेस्ट की 29,000 फुट ऊंचाई तक प्रचुर मात्रा में प्लास्टिक पाया गया है। यह तो वह प्लास्टिक है, जो हम प्रत्यक्ष रूप में देखते हैं। व्यापक जनजागृति और तमाम प्रयासों के बावजूद हम अपने शरीर में जगह बना चुके प्लास्टिक से बेखबर हैं। हमें इसका जरा भी इल्म नहीं है कि प्लास्टिक के साथ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कई प्रकार के रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर चुके हैं। संभवत: इस पृथ्वी पर अब ऐसा कोई भी स्थान शेष नहीं है, जहां प्लास्टिक न हो। भोजन, पानी, वस्त्र, आदि के जरिये प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। यहां तक कि सौंदर्य प्रसाधन एवं स्वास्थ्य रक्षा हेतु भी प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। बीस वर्ष पूर्व पहली बार छोटे प्लास्टिक यानी 2-5 मिलीमीटर आकार वाले प्लास्टिक के कणों की खोज हुई, जो प्लास्टिक के बड़े टुकड़ों के टूटने से बने थे। फिर नैनो प्लास्टिक का पता चला, जो अत्यंत ही सूक्ष्म आकार के होते हैं। नैनो प्लास्टिक अपने सूक्ष्म आकार के कारण सामान्य दृष्टि से ओझल रहते हैं और विभिन्न माध्यमों से हमारे शरीर में पहुंचकर ऊतकों में जमा हो जाते हैं तथा दूरगामी असर पैदा करते हैं। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि बढ़ते कैंसर, दिमागी रक्तस्राव जैसी गंभीर अवस्थाओं के लिए प्लास्टिक भी बहुत बड़ा कारक है।

प्लास्टिक मुक्त वातावरण की संकल्पना के लिए सबसे बड़ा अवरोध है इसका सार्थक विकल्प न होना। यदि कुछ विकल्प सुझाए भी गए हैं, तो वे सुगमता की कसौटी पर प्लास्टिक से कोसों दूर हैं। बहरहाल इस विकट समस्या से निजात पाने के लिए जरूरी है, प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग व पुन: उपयोग की व्यवस्था को सुदृढ़ करना।?भारत में स्वच्छ भारत अभियान के बाद प्लास्टिक उपयोग में सांकेतिक रूप से कमी आई है। अनेक स्टार्ट अप के माध्यम से प्लास्टिक संग्रहण, पृथकीकरण एवं पुन: उपयोग के कार्यों में तेजी आई है। लेकिन ये सभी प्रयास सूक्ष्म एवं नैनो प्लास्टिक को रोकने में कहीं कारगर नहीं है। जब तक हर व्यक्ति निजी स्तर पर प्लास्टिक के उपयोग से परहेज नहीं करेगा, तब तक इससे निजात पाना असंभव है।

नीतिगत स्तर पर प्लास्टिक उत्पादन में कमी लाने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। जब तक प्लास्टिक के उपयुक्त विकल्प नहीं मिलते, रीसाइकल एवं अपसाइकल को प्रोत्साहित करने की नीति अपनानी होगी। खुले में छूटा प्लास्टिक सृष्टि पर आक्रमण की क्षमता रखता है। विनाश से बचने के लिए हर व्यक्ति को उत्तरदायी होना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम अथवा वर्जित उपयोग सबके हित में है।

वैष्णव तिलक, मावे और भांग के सजे बाबा महाकाल, मस्तक पर लगाया त्रिपुंड

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज वैसाख शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजून किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, रुद्राक्ष और मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि दशमी तिथि पर शनिवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल का मावे और ड्रायफ्रूट से श्रृंगार किया गया, जिसमें बाबा महाकाल के मस्तक पर त्रिपुंड भी सजाया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

स्वाति मालीवाल और स्त्री देह पर राजनीतिः सियासी दलों की खामोशी बहुत कुछ कह रही है..!

राजनीतिक दलों ने समाज को तो बांट ही दिया है, महिलाओं से दुर्व्यवहार और दुष्कर्म जैसी घटनाओं को भी वोट के तराजू में तौलने से वे बाज नहीं आते। ताजा उदाहरण स्वाति मालीवाल का है। वे दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं। आप की फाउंडर सदस्य हैं। जब अरविंद एनजीओ चलाया करते थे तब से वे उनके साथ हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास में उनकी पिटाई और दुर्व्यवहार का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। पिटाई का आरोप मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार पर है। केजरीवाल दुनिया जहान की बारे में बोल रहे हैं, लेकिन पिटाई मामले पर मौन ओढ़ रखी है। आरोप है कि केजरीवाल के कहने पर पिटाई हुई।

इधर पूरा इंडी गठबंधन इस पर चुप है। केजरीवाल के साथ है। यह अकेला मामला नहीं है। इसके पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली दुष्कर्म कांड पर भी इंडी गठबंधन इसी तरह चुप था। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केजरीवाल की ही तरह खामोश थीं। महिला नेत्री सोनिया गांधी और लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा बुलंद करने वाली प्रियंका गांधी ने भी कुछ बोलना मुनासिब नहीं समझा। लेकिन ठीक इसके उलट महिला पहलवान यौन उत्पीडन कांड पर वे खूब मुखर रहीं। पूरा विपक्ष पहलवानों के साथ खड़ा नजर आया जबकि भाजपा इस मामले पर चुप रही। दूसरी ओर भाजपा संदेशखाली और स्वाति मामले पर खूब मुखर है।

सच तो यह है कि राजनीतिक दलों ने महिलाओं को तमाशा बना दिया है। न उनमें महिलाओं के प्रति सम्मान है न दुष्कर्म के खिलाफ गुस्सा। राजनेता ऐसे मामलों में सेलेक्टिव हो जाते हैं। भाजपा शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो विपक्ष में जोश आ जाता है। वे सबसे बड़े महिला हितैषी हो जाते हैं। लेकिन जब विपक्ष शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो तो उन्हें सांप सूंघ जाता है। दरअसल, वे घटना को ही झुठलाने में लग जाते हैं। ठीक ऐसा ही सत्ता पक्ष भी करता है। उनके राज्यों में दुष्कर्म होता है तो वे लीपापोती में जुट जाते हैं। महिला नेत्रियां चुप हो जाती हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्यों में उनकी सक्रियता देखने लायक होती है। यानी अपना दुष्कर्मी राजा बेटा और दूसरे का दुष्कर्मी हैवान! यह कैसी सोच है, कैसी मानसिकता है? मजे की बात यह है कि इसमें महिलाएं भी इस्तेमाल होती हैं। महिला के खिलाफ महिला को ही खड़ा कर दिया जाता है। महिला राजनेताओं को दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ा होने में रत्ती भर भी शर्म महसूस नहीं होती।

इसके साथ ही एक और पहलू भी जुड़ा है। जो महिला नेत्रियां पार्टी के इशारे पर निसंकोच दुष्कर्म को झुठलाने की कोशिश करती हैं उनका अपनी पार्टियों में भी बड़े नेताओं द्वारा यौन शोषण होता है। यह बहुत आम बात है। ऐसे ढेरों प्रसंग सार्वजनिक भी हुए हैं। और यह आज से नहीं आजादी के पहले से होता चला आ रहा है। सभी नेत्रियों के साथ ऐसा होता है, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन शिकार होनेवाली नेत्रियों की अच्छी खासी संख्या है। कोई पार्टी इसका अपवाद नहीं है। कई महिलाओं ने तो इसकी वजह से राजनीति छोड़ना श्रेयकर समझा।

महिलाओं को दलीय दायरे से ऊपर उठकर यह समझना होगा कि पुरुषवादी मानसिकता उनका इस्तेमाल कर रही है। ऐसे मामलों में सभी राजनेत्रियों और महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर हल्ला बोलना होगा, तभी आपकी प्रतिष्ठा बचेगी। स्वाति मालीवाल केस ने एक मौका दिया है, महिला नेत्रियों को अपनी अस्मिता के लिए उठ खड़े होने का। क्या वे यह चुनौती स्वीकार करेंगी? क्या उनका स्वाभिमान उन्हें ललकारेगा?

एआई के बढ़ते दायरे से सतर्कता समय की मांग अधिक मानवीय बनने की जरूरत

यह चुनाव का मौसम है और डीपफेक का भी। भारत में तो लोकसभा के चुनाव चल ही रहे हैं, अमेरिका और ब्रिटेन में भी चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में अधिकारियों को बाधित करने के लिए विभिन्न तत्वों द्वारा डीपफेक की बाढ़ आने की आशंका निराधार नहीं है। डीपफेक दो शब्दों से बना है-आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी (एआई) आधारित डीप लर्निंग और फेक (नकली) से। डीपफेक एक कृत्रिम (बनावटी) मीडिया है, जिसमें बिना सहमति के किसी व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो को उसी से मिलते-जुलते दूसरे व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो से बदल दिया जाता है। शुरुआत में डीपफेक का इस्तेमाल पोर्नोग्राफिक (अश्लील) सामग्री तैयार करने के लिए किया जाता था। डीपफेक तकनीक वास्तविक और काल्पनिक के बीच की सीमा को धुंधला कर देती है। जेनरेटिव एडवर्सरियल नेटवर्क्स नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का उपयोग करते हुए डीपफेक शुरुआत में एक नवाचार थी, यानी एआई में किसी की विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने का एक मजेदार तरीका। लेकिन अब यह सच नहीं है। डीपफेक बहुतायत में हैं-राजनीतिक नेताओं के भाषणों में हेरफेर करके राजनीतिक अशांति फैलाने वाले से लेकर अनुचित सामग्रियों से मशहूर हस्तियों को जोड़ने तक। डीपफेक के दुरुपयोग का दायरा व्यापक और बेहद परेशान करने वाला है। यह चुनाव या युद्ध जैसे मामलों में विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है, जहां राजनीतिक नेताओं को ऐसी बातें कहते या करते हुए दिखाया जा सकता है, जो उन्होंने वास्तव में नहीं कहा या किया है-कुछ ऐसा, जो संभवत: मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है और लोकतंत्र व चुनाव की प्रक्रिया को बर्बाद कर सकता है। वर्ष 2020 में महारानी एलिजाबेथ ने टीवी पर एक संदेश दिया था, जो बाद में डीपफेक निकला। इस तकनीक के संभावित खतरों को उजागर करने के लिए विशेष रूप से महारानी के इस भाषण की व्यवस्था की गई थी। उदाहरण के लिए, अमेरिकी कांग्रेस की तत्कालीन स्पीकर नैन्सी पेलोसी के एक वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई थी, जिसमें उन्हें एक आधिकारिक भाषण के दौरान नशे में दिखाया गया था। डोनाल्ड ट्रंप की गिरफ्तारी दिखाने वाली एक अन्य तस्वीर ने बहुत से लोगों को बेवखूफ बनाया। भारत में इस तरफ ध्यान तब गया, जब दो अभिनेत्रियों-कटरीना कैफ और रश्मिका मंधाना के साथ डीपफेक की समस्या हुई, जो इस डार्क तकनीक से बुरी तरह प्रभावित हुईं। डार्क टेक्नोलॉजी दुनिया भर की महिलाओं को निशाना बनाती है। यहां तक कि इस बार अमिताभ बचन और आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर तक ने इसका संज्ञान लिया। फिर कथित तौर पर भारतीय प्रधानमंत्री को भी निशाना बनाया गया था, जिसने वास्तव में भारतीय अधिकारियों को चौंका दिया। उनके दिमाग में शायद यह बात ताजा है कि कैसे इमरान खान ने जेल में रहते हुए भी पाकिस्तान के नागरिकों से अपनी ही तरह दिखने और वैसी ही आवाज में बात करने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया था। डीपफेक अधिक परिष्कृत होते जा रहे हैं, क्योंकि इन्हें बनाने के लिए विशेषज्ञ सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। जनरेटिव एआई मॉडलों ने बड़े पैमाने पर उनका निर्माण आसान बना दिया है, अब इसके लिए किसी खास विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है। तो फिर डीपफेक को हम कैसे रोक सकते हैं? इसकी पहचान के तरीके हैं, जो वीडियो में मानव आंख से न दिखने वाली विशिष्टताओं की जांच के लिए एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करती है। डीपट्रेस जैसी कंपनियों ने ऐसे सॉफ्टवेयर का आविष्कार किया है, जो छाया और प्रतिबिंबों का विश्लेषण करके डीपफेक की पहचान करता है। हालांकि, वायरस-एंटीवायरस की तरह यह निर्माताओं और डिटेक्टरों के बीच होड़ को बढ़ाता है। लेकिन सिर्फ तकनीक से ही इस खतरे को नहीं रोका जा सकता है, बल्कि इसके लिए हमें विनियमन और शिक्षा की भी आवश्यकता है। हमें डीपफेक बनाने वालों और उन्हें प्रसारित करने वालों को दंडित करने के लिए कुछ सख्त और अनुकरणीय कानून बनाने होंगे। मेटा, गूगल और टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों को डीपफेक को खत्म करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है, क्योंकि वे इन्हें फैलाने के प्राथमिक माध्यम हैं। हमें समाज में जागरूकता और डिजिटल शिक्षा बढ़ाने की भी जरूरत है, ताकि कमजोर लोग इसका निशाना बनने से बच सकें। हालांकि इस जंग को जीतने का सबसे बड़ा उपाय अपनी विशिष्ट मानवीय क्षमता को प्रकट करना और उसे वापस लाना है, जो हर तरह की नकली चीजों का पता लगाने में सक्षम बनाती है। मनुष्य के पास हमेशा एक नाक होती है, जो आवाज, तस्वीर या टिप्पणियों के झूठ को सूंघ लेती है। हम अक्सर अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जिंदगी में इसका उपयोग करते हैं, लेकिन कहीं न कहीं हमने अपनी इस क्षमता को खो दिया है। हजारों समाचार संगठनों, सोशल मीडिया और व्हाट्सएप द्वारा उत्पन्न सूचनाओं और समाचारों की विशाल मात्रा हम पर हावी हो जाती है। ऐसे में हमें डीपफेक को समझने के लिए अपनी मानवीय क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता है कि कौन-सी खबरें, आवाजें और तस्वीरें थोड़ी अप्रिय दिखती हैं या नकली हो सकती हैं। हालांकि जिस तरह से डीपफेक का परिष्कार हो रहा है, उसे देखते हुए उनकी जांच करना लगातार कठिन होता जा रहा है। लेकिन डीपफेक का पता लगाने के लिए छवियों में विसंगतियों को देखें-चेहरे की विशेषताएं ठीक से मेल नहीं खातीं, रोशनी कम लगती है, या अनियमित पलक झपकती है। यदि ऑडियो और विजुअल्स मेल नहीं खाते हैं, तो वे भी नकली होने के संकेत हैं, जहां आवाज का स्वर और ताल व्यक्ति की सामान्य वार्ता शैली से मेल नहीं खा सकते हैं। नग्न आंखों के अलावा, यह वास्तविक नहीं है। अब जबकि हम सुपर इंटेलिजेंट एआई के अस्तित्व संबंधी खतरें पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, मौजूदा वक्त में ऐसी समस्याएं हैं, जिन्हें विनियमन, प्रौद्योगिकी और शिक्षा के माध्यम से तुरंत संबोधित किए जाने की आवश्यकता है।

अटल सेतु पुल के लिए रश्मिका की सराहना पोस्ट पर आदित्य ठाकरे का कटाक्ष, बोले- केवल प्रचार है

कुछ दिन पहले एनिमल एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने मुंबई में निर्मित अटल सेतु की तारीफ की थी। अभिनेत्री ने बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, इसके बारे में सब कुछ बहुत शानदार है। हालांकि, अब आदित्य ठाकरे ने एक पोस्ट कर रश्मिका पर कटाक्ष किया है और इसे पार्टी का प्रचार बताया है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है। आदित्य ठाकरे ने एक्स पर अपने नए ट्वीट में अभिनेत्री पर कटाक्ष किया। हालांकि, उन्होंने उनके नाम का उल्लेख नहीं किया। आदित्य ने कहा, मैंने अभी एक अभिनेत्री को अचानक एक विज्ञापन बनाते देखा (आश्चर्य है कि क्या उन्हें इसका भुगतान किया गया है) वर्तमान शासन द्वारा अटल सेतु के रूप में ब्रांडेड एमटीएचएल पर) के लिए या नहीं। आदित्य ने कहा, अंत में वह कहती हैं, जागो और विकास के लिए वोट करो- जो अच्छा है, क्योंकि इसका मतलब है कि बीजेपी को वोट मत दो।आगे उन्होंने कहा कि अनुरोध है कि ऐसे प्रमोशन करने से पहले फैक्ट चेक कर लिया जाए. ठाकरे ने कहा, कुछ पार्टियां अभिनेताओं से %वार रुकवा दी% जैसे विज्ञापन करवा रही हैं। अभिनेत्री ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रांस हार्बर लिंक पर यात्रा करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे इंजीनियरिंग चमत्कार एक नए भारत का द्वार खोलता है। अपने वीडियो में उन्होंने भारत के विकास और भविष्य की बहुत की सराहना की। अपने दर्शकों से भारत के विकास के लिए वोट करने के लिए कह रही हैं। अभिनेत्री ने कहा था, नवी मुंबई से मुंबई, गोवा से मुंबई और बेंगलुरु से मुंबई तक का सफर अब काफी आसान हो गया है। इस शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर को देखकर गर्व महसूस होता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि भारत को विकास के मामले में अब कोई नहीं रोक सकता। अब कोई यह नहीं कह सकता है कि भारत में ऐसा नहीं हो सकता है। पिछले 10 वर्षों में भारत में काफी ज्यादा विकास हुआ है।

महेश बाबू और राजामौली की फिल्म में शामिल होगा यह साउथ सुपरस्टार? एसएसएमबी29 के अपडेट ने बढ़ाया उत्साह

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली इन दिनों महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 है। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म में वीरेन स्वामी के शामिल होने की अफवाहें थीं, जिसे निर्माताओं ने आधिकारिक बयान साझा कर खारिज कर दिया। वहीं, अब फिल्म में एक और साउथ अभिनेता के फिल्म में अहम भूमिका निभाने की चर्चा हो रही है। पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म में नए कलाकार के रूप में शामिल होने उम्मीद है। कहा जा रहा है कि फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को लेकर निर्माता विचार कर रहे हैं। खबर है भी है कि एसएस राजमौली इस संभावित सहयोग के बारे में अभिनेता से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से कोई भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।यदि पृथ्वीराज सुकुमारन इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह फैंस के लिए बड़ा तोहफा होगा। फिलहाल निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार करना होगा। पृथ्वीराज सुकुमारन हाल ही में द गोट लाइफ के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके हैं। इससे पहले बीते दिन निर्माताओं ने जाने-माने कास्टिंग डायरेक्टर वीरेन स्वामी को काम पर रखने की अफवाहों का खंडन किया। प्रोडक्शन कंपनी श्री दुर्गा आर्ट्स ने पुष्टि की है कि वीरेन स्वामी उनके प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं।महेश बाबू फिल्म के लिए एक अलग लुक तैयार कर रहे हैं और एसएस राजामौली ने उन्हें सार्वजनिक जगहों पर यादा जाने से बचने के लिए कहा है, ताकि फिल्म के लिए उनके लुक को गुप्त रखा जा सके। वहीं, दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, हाल ही में एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तैयार है और हीरो भी तैयार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कास्टिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा। इस पर तेजी से काम जारी है।`एसएसएमबी 29 के जरिए महेश बाबू और एसएस राजामौली पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक जंगल एडवेंचर फिल्म माना जा रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर होगी। इसके अलावा यह भी कहा जा है कि फिल्म में पौराणिक कथाओं और भारतीय महाकाव्यों की झलक होगी, जो राजामौली का ट्रेडमार्क है। वहीं कहानी के बारे में बात करें तो खबर है कि फिल्म की पटकथा और महेश बाबू का किरदार रामायण के भगवान हनुमान पर आधारित हो सकता है। फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने पहले दिए साक्षात्कार में खुलासा किया था कि निर्माता अफ्रीका में एक एक्शन-एडवेंचर सेट के लिए हॉलीवुड अभिनेताओं को शामिल करेंगे।

प्यार में अटूट विश्वास रखती हैं कैटरीना कैफ, रणबीर कपूर से अलग होने के बाद दिया था ये बयान

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बी टीउन के पावर कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर एक-दूसरे के प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए नजर आते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने पति विक्की का जन्मदिन मनाया है। इस दौरान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। कैटरीना का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें वह रिश्तों के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं। कैटरीना कैफ से बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि क्या रणबीर कपूर से ब्रेकअप के बाद रिश्तों को लेकर उनका नजरिया बदला है। इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि प्यार के बारे में उनकी राय कभी नहीं बदलेगी। कैटरीना ने कहा, मुझे लगता है कि प्यार के बारे में मेरे विचार और अधिक विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, मैंने रिश्तों को अधिक निस्वार्थता के साथ निभाना सीखा है। प्यार को लेकर मेरा दृढ़ विश्वास, प्यार में जुनून और ईमानदारी वैसी ही हेगी। कैटरीना कैफ के ये विचार प्यार को लेकर उनकी समझ को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि प्यार में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, प्यार को लेकर उनका विश्वास अटूट बना हुआ है। गौरतलब है कि कैटरीना कैफ और रणबीर कपूर ने लंबे वक्त तक एक दूसरे को डेट किया था। मगर बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। बी-टाउन की गलियों में इनके रिलेशनशिप और ब्रेकअप दोनों की खबरें खूब सुर्खियों में छाई थीं। कैटरीना ने दिसंबर 2020 में विक्की कौशल से उदयपुर से शादी रचा ली थी। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब छाई थीं। एक बार फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर एक सेशन में उनसे पंजाबी बहू के रूप में पंसदीदा चीज के बारे में पूछा गया था। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा था, ढेर सारा प्यार और घर का बना हुआ सरसों दा साग और सफेद मक्खन के साथ मक्के की रोटी।

पर्दे पर जमेगी सिद्धार्थ मल्होत्रा-कृति सेनन की जोड़ी? फिल्म को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड के सबसे हैंडसम सितारों में से एक हैं। बड़े पर्दे पर उन्हें आखिरी बार फिल्म योद्धा में देखा गया था। फैंस को उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच अभिनेता के अगले प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाले हैं।

कृति संग जमेगी जोड़ी बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ कृति सेनन मुख्य भूमिका में दिखेंगी। इससे पहले चर्चा थी कि वे स्पाइडर नाम की एक फिल्म में काम करने जा रहे हैं, लेकिन अब कहा जा रहा है कि उनकी आगामी फिल्म रोमांटिक होगी। सिद्धार्थ की गिनती बॉलीवुड के उन कलाकारों में होती है जो रोमांटिक और एक्शन दोनों तरह की फिल्मों में अपने प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं।

डांवाडोल हुआ टाइगर का करियर, नहीं मिल रहे फिल्मों के ऑफर, अब अभिनेता ने लिया यह बड़ा फैसला

टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं। उनकी फिटनेस को देखकर काफी लोग प्रेरित होते हैं। टाइगर श्रॉफ हिंदी सिनेमा के युवा सितारों में से एक हैं, लेकिन फ्लॉप फिल्मों की एक सीरीज ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है और उनके पास कोई फिल्म नहीं बची है। बड़े मियां छोटे मियां के साथ टाइगर अब लगातार तीन फ्लॉप फिल्में दे चुके हैं। अब खबर है कि अभिनेता ने अपनी फीस में 70त्न कम करने का फैसला किया है।

टाइगर ने लिया यह फिल्म

लगातार फ्लॉप देने के बाद अब टाइगर का करियर डांवाडोल होते नजर आ रहा है। बॉलीवुड में टाइगर के लिए कोई ऑफर नहीं है और इससे स्टार काफी परेशान हैं। खबर सामने आई है कि टाइगर के थिंक टैंक ने स्टार हीरो को आने वाले दिनों में और फिल्में पाने के लिए अपनी फीस कम करने की सलाह दी है।

अभिनेता ने कम की फीस

अब खबरों के मुताबिक टाइगर की टीम उनकी हर फिल्म के लिए 9 करोड़ रुपए मांग रही है। खबर यह है कि टाइगर ने अपनी आखिरी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के लिए 30 करोड़ की भारी भरकम फीस ली थी, जिसमें अक्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में थे और एक बड़ी फ्लॉप फिल्म के रूप में समाप्त हुई थी। अब देखना होगा कि टाइगर अब अपने करियर को कैसे संभालते हैं।

यह फिल्म भी रही फ्लॉप

टाइगर श्रॉफ पिछली बार अली अब्बास जफर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अभिनय करते नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा ने भी काम किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया। बड़े मियां छोटे मियां के रिलीज होने से पहले इसकी टक्कर मैदान से बताई जा रही थी, लेकिन अजय देवगन की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

फिल्मों में ही नहीं, निजी जिंदगी में भी मजबूत मां थीं रीमा लागू, अकेले की बेटी की परवरिश

अभिनेत्री रीमा लागू का नाम जब लिया जाता है तो सबसे पहले एक मां के रूप में उनकी छवि बनती है। फिल्मों में मां की भूमिका अदा कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्रियों में रीमा लागू भी शुमार हैं। रीमा ने कई फिल्मों में सलमान खान की मां की भूमिका अदा की। इसलिए उन्हें सलमान खान की मां कहकर भी पुकारा जाने लगा था। अभिनेत्री ने हम साथ साथ हैं, कुछ कुछ होता है और वास्तव जैसी फिल्मों में भी मां का रोल यादगार तरीके से निभाया। सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, निजी जिंदगी में भी रीमा एक मजबूत मां बनी रहीं। आज उनकी डेथ एनिवर्सरी है। आइए जानते हैं उनके जीवन के बारे में...21 जून 1958 को जन्मी रीमा लागू को अभिनय की प्रतिभा विरासत में मिली। उनकी मां मराठी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस मंदाकिनी खदबड़े थीं। रीमा का असली नाम नयन भड़भड़े था। रीमां ने बतौर बाल कलाकार इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। फिर कुछ वर्षों तक थिएटर भी किया। बाद में उन्होंने बैंक में भी नौकरी की। दरअसल, उन दिनों बैंकों का इंटर बैंक थियेटर कंपटीशन होता था, जिसमें एक्टर्स का कोटा होता था। इसी के तहत इनका चयन हुआ। नौकरी करने के दौरान रीमा की मुलाकात मराठी कलाकार विवेक लागू से हुई। दोनों ने शादी रचाई। शादी के बाद रीमा ने अपना नाम रीमा लागू कर लिया। हालांकि, दोनों का रिश्ता यादा दिन नहीं चला और कुछ वर्ष बाद दोनों अलग हो गए। दोनों की एक बेटी मृण्मयी है। पति से अलग होने के बाद रीमा लागू ने दूसरी शादी नहीं की और अकेले ही बेटी की परवरिश की।रीमा लागू ने 1980 में फिल्म कलयुग से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। उन्होंने कई फिल्मों में उम्दा किरदार निभाए। मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन के लिए उन्हें 1990 में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का फिल्म फेयर अवार्ड मिला था। आशिकी और वास्तव के लिए भी उन्हें यह सम्मान मिला। फिल्म वास्तव में तो उनके किरदार को देख लोगों को मदर इंडिया वाली नरगिस याद आ गईं। फिल्म का क्लाइमेक्स सीन काफी हिट रहा था।रामा लागू छोटे पर्दे की भी चर्चित अभिनेत्री रहीं। फिल्मों के अलावा वह कई सीरियल्स में भी नजर आईं।

BO पर नहीं चला श्रीकांत का जादू, 20 करोड़ के करीब पहुंची किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स

दर्शक इन दिनों सिनेमाघरों में जाना पसंद नहीं कर रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई इस बात का सबूत है। बॉलीवुड का जादू एक बार फिर दर्शकों के सिर से उतरता नजर आ रहा है। हालांकि, वीकएंड में फिल्मों की कमाई में उछाल देखने को मिलता है। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर दो फिल्में राजकुमार राव की श्रीकांत और हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स लगी हुई है, जो दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। आइए जानते हैं कि शुक्रवार को किस फिल्म का कैसा प्रदर्शन रहा है। अभिनेता राजकुमार राव अपनी फिल्म श्रीकांत को लेकर काफी चर्चा में चल रहे हैं। कमाई को देखकर ऐसा लग रहा है कि राजकुमार की यह फिल्म एक बार फिर फ्लॉप की लिस्ट में शामिल होने वाली है। सोशल मीडिया पर भी फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में राजकुमार ने फिल्म में श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है।फिल्म की कमाई की बात करें ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने आठवें दिन एक करोड़ पांच लाख का बिजनेस किया है, इसी के साथ ही फिल्म कुल कलेक्शन 18.9 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि, वीकएंड में फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिल सकता है।हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स भी सिनेमाघरों में लगी हुई है। यह फिल्म भारतीय दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। फिल्म के आने के बाद श्रीकांत की कमाई में भी गिरावट देखने को मिल रही थी। इस फिल्म को भारत में डिनी इंडिया ने रिलीज किया है। इस फिल्म के आने के बाद बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड के तीन बंदर अन्य फिल्मों पर भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। ताजा आंकड़ो के मुताबिक आठवें दिन फिल्म ने 43 लाख रुपये की कमाई की है, फिल्म का कुल कलेक्शन अब 19.28 करोड़ रुपये हो गया है।

घर वापस लौटे तारक मेहता के रोशन सोढ़ी, 25 दिन बाद आए वापस, बोले-धार्मिक यात्रा पर निकले थे

लोकप्रिय टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए प्रसिद्ध गुरुचरण सिंह, जो 22 अप्रैल से लापता थे। शुक्रवार को घर लौट आए हैं। कई दिनों तक गायब रहने के बाद अभिनेता आज खुद ही वापस घर लौट आए हैं। परिवार वालों ने दिल्ली में उनकी गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज करवाई थी। वापस लौटने पर सोढ़ी से पुलिस ने पूछताछ की। दिल्ली पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया था और अभिनेता की तलाश के लिए जांच चल रही थी। पुलिस के मुताबिक गुरुचरण ने पूछताछ के दौरान अधिकारियों को बताया कि वह अपना सांसारिक जीवन छोड़ चुके हैं और धार्मिक यात्रा पर हैं। पुलिस ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में वह अमृतसर और लुधियाना जैसे कई शहरों में गुरुद्वारों में रुके थे, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उसे घर लौट जाना चाहिए।22 अप्रैल को अभिनेता को दिल्ली से मुंबई के लिए फ्लाइट पकड़नी थी। हालांकि, वह फ्लाइट में नहीं चढ़े और लापता हो गए। उनका फोन नंबर 24 अप्रैल तक सक्रिय था, जिसके जरिए कई लेनदेन किए गए थे, जैसा कि पुलिस जांच से पता चला है। जिस दिन वह लापता हुए, उस दिन के सीसीटीवी फुटेज में अभिनेता को अपनी पीठ पर एक बैग लेकर चलते हुए देखा गया है।उनके पिता हरजीत सिंह ने 26 अप्रैल को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 365 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान, एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सिंह की वित्तीय स्थिति ठीक नहीं थी, क्योंकि उन पर कई ऋण और बकाया थे।बता दें कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर, उनका अंतिम स्थान दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के डाबड़ी में पता चला था, जहां वह आईजीआई हवाई अड्डे के पास से किराए पर लिए गए ई-रिक्शा में पहुंचे थे.

सहारनपुर के देवबंद में सीएमपीडीआई बिलासपुर छत्तीसगढ़ में जनरल मैनेजर संदीप नेगी भटकते हुए देवबंद की खेड़ामुगल पुलिस चौकी पहुंचे, वह पुलिस वालों से बोले भूखा हूं खाना खिला दो और मुझे मेरे घर भिजवा दो

उनके पास से मिले नंबर पर संपर्क कर परिजनों को उनके बारे में बताया गया, जिसके बाद उनके पिता एमएस नेगी अपने एक साथी के साथ पहुंचे और उन्हें अपने साथ ले गए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर । देवबंद, भारत सरकार के उद्यम सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) बिलासपुर छत्तीसगढ़ में जनरल मैनेजर संदीप नेगी भटकते हुए खेड़ामुगल पुलिस चौकी पहुंच गए। वहां वह पुलिस वालों से बोले भूखा हूं खाना खिला दो और मुझे मेरे घर भिजवा दो। इसके बाद पुलिस ने उनके परिजनों से संपर्क कर उनके बारे में जानकारी दी। खेड़ामुगल पुलिस चौकी प्रभारी राहुल देशवाल ने बताया कि देहरादून (उत्तराखंड) के विजय पार्क बालूपुर रोड निवासी संदीप नेगी (64) भटकते हुए चौकी पर पहुंचे। गंदे कपड़े, सिर और दाढ़ी के सफेद बाल बढ़े हुए थे। वहां पहुंचते हुए कहने लगे कि मैं भूखा हूं मुझे खाना चाहिए और अपने घर जाना चाहते हैं। जिस पर उन्हें खाना खिलाया गया और उनके पास से मिले नंबर पर संपर्क कर परिजनों को उनके बारे में बताया। जानकारी मिलने पर 95 वर्षीय उनके पिता एमएस नेगी अपने एक साथी के साथ पहुंचे। उन्होंने बताया कि बेटा संदीप नेगी क्लास वन ऑफिसर है, जो सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) बिलासपुर छत्तीसगढ़ में जनरल मैनेजर के पद पर तैनात हैं। पारिवारिक कलह के चलते वह पिछले करीब एक वर्ष से परेशान हैं और मानसिक तनाव में चल रहे हैं। बाद में एमएस नेगी पुलिस का आभार जताते हुए बेटे को अपने साथ ले गए।

आखिर किस के संरक्षण में चल रहा खरीदी का काला कारोबार

पटना तमोली खरीदी एवं बागरी वेयरहाउस में भारी अन्मिताऐ जिम्मेदार बेखबर

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ।

पन्ना, इन दिनों खरीदी केंद्रो पर, गेहूं,सरसों,मसूर एवं चना की खरीदी जोरों पर चल रही है जिसमे पटना तमोली खरीद केंद्र एवं बागरी वेयरहाउस खरीदी केंद्र में अनियमताओं का अंबार लगा हुआ है जों की गुनौर मुख्यालय से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है इन खरीदी केंद्रो में ना तो कोई जांच करता सर्वेयर उपलब्ध होता है जिस वजह से इस प्रकार का सुंगरहा वैयर हाउस में खरीदी का कला कारोबार रात के अंधेरे में जोरो से हो रहा ख़राब मसूर एवं सरसो की तुलाई की जा रही है आखिर किसके संरक्षण में इस प्रकार की खरीदी खरीदी केंद्रो पर होती है जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी क्यों नहीं करते निरीक्षण क्या? अधिकारों की सह पर चल रहा है खरीदी का कला कारोबार?मोके पर सर्वेयर नहीं होते है उसके बाद भी तुलाई जोरो पर की जाती है क्या खरीदी प्रभारी दीपक चौरसिया स्वयं ही कर लेते हैं पास फेल वही पुरे मामले में सर्वेयर से मोबाईल फ़ोन से बात की गई तों उन्होंने कहा की हम फिल्ड के सर्वेयर नहीं है हमारा काम वेयर हॉउस के अंदर लेना है आखिर ज़ब इतनी ख़राब सरसो एवं मसूर रात के अँधेरे में तोली ओर सिलाई की जा रही है तों वेयर हाउस के अंदर तों होंगी ही खास बात तो यह है कि जैसे ही खराब मसूरी एवं सरसों की तुलाई की जाती है तों तत्काल उस में सिलाई करवा दी जाती है ताकि कोई देख ना सके अब तक की गई खरीदी की यदि जांच की जाए तो बड़ा खुलासा हो सकता है अब देखना यह होगा कि अधिकारी कर्मचारी क्या कार्रवाई करते हैं

बदमाश गिरोह बनाकर लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देता था नईम

अदालत ने गैंगस्टर नईम को सुनाई आठ साल की सजा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, एडीजे विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट त्रिभुवननाथ ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोषी पाए गए नईम पुत्र मतलूब निवासी गांव आलपुर थाना गंगोह को आठ साल की जेल की सजा सुनाई है। सरकारी वकील मेघराज चौहान और मानसिंह ने बताया कि जुलाई 2014 को नईम और उसके साथियों के खिलाफ थाने में गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि ये बदमाश गिरोह बनाकर लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देते हैं। न्यायाधीश त्रिभुवननाथ ने नईम को साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दोषी माना और आठ साल की सजा सुनाई और दस हजार का आर्थिक दंड लगाया।

देवबंद के दून वैली पब्लिक स्कूल में कहानी प्रतियोगिता का आयोजन

ज़ेना कमाल ने हब ऑफ लर्निंग में मचाई धूम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर । देवबंद, दून वैली पब्लिक स्कूल में आज हब ऑफ लर्निंग के अंतर्गत कक्षा 6 से 8 के बच्चों के लिए इंटर स्कूल कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल के सभागार में परी कथाओं सी मेरी अनन्त आकाश यात्रा विषय पर आयोजित कहानी वाचन प्रतियोगिता का स्कूल की प्रधानाचार्या सीमा शर्मा, क्वालिटी हेड श्रीमती अर्चना शर्मा, ब्रांच हेड श्रीमती तनुज कपिल तथा अन्य विद्यालयों से पधारे अध्यापकों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्जवल करके शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में द दून वैली पब्लिक स्कूल, नवाज गर्ल्स पब्लिक स्कूल, दून हिल्स एकेडमी तथा कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। कहानी वाचन की अपनी अद्वितीय प्रतिभा से बच्चों ने सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। ज़ेना कमाल व सना ने अपनी कल्पना की उड़ान भरते हुए श्रोताओं को संपूर्ण ब्रह्माण्ड की सैर करा दी। प्रतियोगिता में द दून वैली पब्लिक की छात्र जेना कमाल को प्रथम, दून वैली की ही सना को द्वितीय स्थान तथा नवाज गर्ल्स स्कूल की अक्शा को तृतीय स्थान के लिये पुरस्कृत किया गया। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल की वाणी तथा नवाज गर्ल्स पब्लिक स्कूल की आयशा ने कॉन्सोलेशन पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम के अन्त में स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा ने सभी बच्चों को आशीर्वाद देते हुये बताया कि आज की प्रतियोगिता का निर्णय देना निर्णायक मण्ड़ल के लिये अत्यन्त कठिन रहा क्योंकि प्रतिभागियो ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। साथ ही कहानी वाचन को कहानी से महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि कहानी वाचन को भावों, संवाद तथा स्पष्टता से अधिक प्रभावी बनाया जा सकता हैं। जिससें श्रोता पूरी कहानी में वक्ता से जुड़ा रहता है। कार्यक्रम का संचालन मनस्वी, हफसा व मिष्ठी ने सफलता पूर्वेक किया।

दारूल उलूम में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को हिंदू नेता विकास त्यागी ने बताया तुगलकी फरमान

त्यागी बोले यहां सीरिया व अफगानिस्तान नहीं भारत है जो संविधान से चलता है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर । देवबंद, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने एक ब्यान जारी करके दारूल उलूम के उस आदेश की आलोचना की है, जिसमें दारूल उलूम ने महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। विकास त्यागी ने इस प्रतिबंध को तुगलकी फरमान बताते हुए कहा है कि जिस प्रकार सीरिया, अफगानिस्तान व पाकिस्तान में महिलाओं पर अनेको-अनेक प्रतिबंध थोपे जाते है उसी प्रकार दारूल उलूम का भी यह तुगलकी फरमान हैं। विकास त्यागी ने कहा कि मक्का मदीना में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध नहीं है तो दारुल उलूम में क्यो है। दारूल उलूम को यह समझना चाहिए की यह सीरिया या अफगानिस्तान नहीं है बल्कि भारत है जहा संविधान में महिलाओं को पुरुषों से ऊपर अधिकार दिया गया है इसलिए सरकार को तुरंत संज्ञान लेते हुए दारूल उलूम पर कार्यवाही करनी चाहिए।

सहारनपुर में 19 मई को होगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा

गांव- गांव जाकर किया गया प्रचार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

नकुड । सहारनपुर, सहारनपुर में 19 मई को होने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य एवं दिव्या शोभायात्रा और संगोष्ठी को सफल बनाने के लिए सहारनपुर की टीम नकुड पहुंची। नकुड में मास्टर प्रवीण कुमार शर्मा के आवास पर नकुड क्षेत्र के ब्राह्मणों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक, सूर्य पंडित द्वारा जानकारी दी गई कि 19 मई में सहारनपुर आवास विकास हरि मंदिर से भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में एक भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा निकलेगी जो शोभायात्रा पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा के आवास से होती हुई कलेक्टरेट सिविल कोर्ट गिल कॉलोनी, प्राचीन हनुमान मंदिर से जनमंच तक पहुंचेगी और जन मंच में एक विचार गोष्ठी का आयोजन होगा। जिसमें मुख्य अतिथि मां शाकंभरी पीठ से महंत सहजानंद जी रहेंगे। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सहारनपुर जनपद के समस्त ब्राह्मणों को आह्वान किया है कि वह अधिक से अधिक संख्या में सहारनपुर पहुंचे। कार्यक्रम में कुलदीप शर्मा, दुष्यंत शर्मा, मास्टर प्रवीण कुमार, प्रदीप शर्मा, अध्यना सुनील प्रधान, रणदेव, राजकुमार मलकपुर, अशोक शर्मा, दीपक शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, राजकुमार शर्मा, रोहित शर्मा, विकास शर्मा, शुभम शर्मा, रविकांत शर्मा, जगदीप शर्मा, संजय शर्मा, दीपक आचार्य, हिमांशु शर्मा, रोहित शर्मा, गौरव शर्मा, कमलकांत शर्मा आदि मौजूद रहे।

सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के वार्षिक चुनाव में सहसचिव प्रशासन पद पर अमित सिंघल एडवोकेट ने की जीत दर्ज

अमित सिंघल एडवोकेट को अधिवक्ताओं और देवबंद नगर के लोगो ने दी बधाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर। देवबंद, सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के वार्षिक चुनाव में सहसचिव प्रशासन पद के उम्मीदवार वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल के बेटे व वरिष्ठ पत्रकार गौरव सिंघल के छोटे भाई अमित सिंघल एडवोकेट 62 वोटो से विजयी घोषित हुए है। बता दे कि आज सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के वार्षिक चुनाव संपन्न हुए। जिसमें सहसचिव प्रशासन पद पर अमित सिंघल एडवोकेट ने 151 मत लेकर उमा रानी एडवोकेट को 62 मतों से हराकर जीत दर्ज की। सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के सहसचिव प्रशासन बनने पर अमित सिंघल एडवोकेट को बधाई देने वालो का तांता लगा रहा। अमित सिंघल एडवोकेट को बधाई देने वाले अधिवक्ताओं में धर्मपाल त्यागी एडवोकेट, अनुपम वशिष्ठ एडवोकेट, प्रमोद गुप्ता एडवोकेट, देवी दयाल शर्मा एडवोकेट, नितिन मित्तल एडवोकेट, नीरज त्यागी एडवोकेट, शम्भू सिंह एडवोकेट, अजय गुप्ता एडवोकेट, कमर जमाल एडवोकेट, नरेश त्यागी एडवोकेट, दिलशाद अली खान एडवोकेट, रजनीश गौतम एडवोकेट, संदीप गुप्ता एडवोकेट, मनोज सिंघल एडवोकेट, रजत शर्मा, शिवनंदन एडवोकेट, प्रभात त्यागी एडवोकेट, देश दीपक त्यागी एडवोकेट, नरेश कुमार एडवोकेट, अरूण सिंघल एडवोकेट, प्रदीप शर्मा एडवोकेट, राजेश कुमार भायला, कुशलपाल सिंह एडवोकेट, बृज कौशिक एडवोकेट, मौ.आबिद, सुरेन्द्र त्यागी, सतेन्द्र त्यागी, दुष्यंत त्यागी रमेश चंद मौर्य, मदनलाल, संदीप कुमार, अश्वनी सिंघल एडवोकेट, ताजीम एडवोकेट, सलमान एडवोकेट, अमित एडवोकेट, बिजन सिंह, शादाब एडवोकेट, ललित शर्मा एडवोकेट, आशीष शर्मा एडवोकेट, लोकेश वत्स एडवोकेट, रितेश बंसल एडवोकेट एवं अमित आदि शामिल रहे। इसके अलावा देवबंद नगर के प्रमुख लोगों प्रमुख किरयाना व्यवसायी राजू सैनी, नितिन गुप्ता, निखिल अग्रवाल, विशाल गर्ग, गगन मित्तल, शिक्षक मोहित आनंद, कपडा व्यापारी शशांक जैन, व्यापारी अंकित गर्ग सहारनपुर, राजदीप, अनुराग मित्तल, शिक्षक वरूण धीमान,पद्मश्री स्वामी भारत भूषण सहारनपुर, शांतनु जी महाराज, विनोद गुप्ता, भाजपा नेता चौधरी राजपाल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष डा.महेन्द्र सैनी,व्यापारी अंकित गर्ग, मयंक गर्ग बिजेंद्र गुप्ता, मोनू सिंह, सुमित गुप्ता खतौली, नितिन गुप्ता खतौली, विभोर गर्ग व शिवम गर्ग मुजफ्फरनगर, खतौली के वरिष्ठ पत्रकार सचिन गुप्ता, डा. गगन गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार अशोक गुप्ता, अजय गर्ग और पंकज गुप्ता प्रिंटिंग प्रेस, प्रमुख समाजसेवी राजीव गुप्ता, मानव कल्याण मंच के अरूण अग्रवाल, युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक, व्यापारी विपुल जैन, सुधीर चौहान, सतेन्द्र अग्रवाल गाजियाबाद, नरेश चंद गुप्ता गाजियाबाद, प्रमुख व्यापारी पुनीत बंसल, राकेश सिंघल, दीपक राज सिंघल, भाजपा नेता पंकज त्यागी, बजरंग दल के विकास त्यागी, अश्विनी जैन, पंडित विकास मोना देवीकुंड, राजकिशोर गुप्ता, कवि महताब आज़ाद, अनुराग सिंघल दून वैली स्कूल, आलोक खटीक, आलोक गर्ग मेपल्स एकेडमी समेत काफी संख्या में लोगो ने अमित सिंघल को सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के सहसचिव प्रशासन पद पर जीत मिलने पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपनी-अपनी शुभकामनाएँ दी है।

थाना एम पी नगर द्वारा मोटर साइकिल चोर को किया गिरफ्तार

आरोपी के पास से मिली 04 चोरी मोटर साइकिल को लिया पुलिस के आधिपत्य में

मास्टर चाभी का इस्तेमाल कर ,करता था गाड़ी की चोरी

चोरी की गाड़ी को छुपाता था अलग - अलग पार्किंग स्थान पर

अलग-अलग स्थानों से करता था चोरी थाना एम पी नगर की 02 मोटर साइकिल तथा थाना कोलार व स्टेशन बजरिया 01-01 गाड़ियां आरोपी से पुलिस ने लिया आधिपत्य में

सम्पत्ति संबंधी अपराधो पर नियंत्रण रखने एवं मुखबिर तंत्र विकसित कर शत प्रतिशत अनुप्राप्ति करने हेतु पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय भोपाल श्री अवधेश गोस्वामी द्वारा निर्देशित किया गया है उक्त निर्देशन के तारतम्य में पुलिस उपायुक्त जोन- 2 श्रीमति श्रद्धा तिवारी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री महावीर मुजाल्दे के मार्गदर्शन एवं सहायक पुलिस आयुक्त एम पी नगर श्री अक्षय चौधरी एवं थाना प्रभारी एम पी नगर श्री जयहिंद शर्मा के निर्देशन मे टीम गठित कर दिये गये दिशा निर्देशों के पालन में थाना एम पी नगर पुलिस द्वारा वाहन चोर को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर कुल 4 मोटर साइकिल कीमत करीब 3 लाख रूपये की अनुप्राप्ति की

घटना का संक्षिप्त विवरण -घटना क्रमांक- 1.दिनांक 08/04/24 को फरियादी की रिपोर्ट पर चेतक ब्रिज से गाड़ी चोरी जाने पर अपराध क्रमांक 135/24 धारा 379 भादवि पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया ।2. दिनांक 16/5/24 को फरियादी की रिपोर्ट पर चिनार पार्क के पास से गाड़ी चोरी जाने पर अपराध क्रमांक 171/24 धारा 379 भादवि पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया ।3.दिनांक 22/9/23 को फरियादी की रिपोर्ट पर कोच फैक्ट्री थाना स्टेशन बजरिया से से गाड़ी चोरी जाने पर अपराध क्रमांक 231/23 धारा 379 भादवि पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया । 4.दिनांक 27/9/24 को फरियादी की रिपोर्ट पर रूबी चिकन शॉप बंजारी कोलार से गाड़ी चोरी जाने पर अपराध क्रमांक 815/23 धारा 379 भादवि पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया

घटना का तरीका - आरोपी द्वारा मास्टर चाभी का उपयोग कर मोटर साइकिल का लॉक खोलकर चुराता था गाड़ी तथा चोरी की गई मोटर साइकिल को पार्किंग मे छुपाता था ।

कार्यवाही का विवरण ङ्क अनुसंधान के अंतर्गत घटना स्थल के आस पास लगे सी.सी.टी.व्ही कैमरों का बारीकी से अवलोकन कर एवं संदेही के आधार पर आरोपी से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा उक्त वाहनों को चुराना स्वीकार किया तथा चोरी मोटर साइकिलों को छुपाने के स्थान बताने पर पुलिस द्वारा उक्त चोरी गये मोटर साइकिलों को अपने आधिपत्य मे लिया ।

आरोपी की जानकारी- 1. राहुल जाटव पुत्र रामरतन उम्र 27 वर्ष निवासी फेस-2 शांति नगर थाना एम पी नगर भोपाल।

सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा उनि लवेश कुमार ,सउनि अजीम शेरखान ,सउनि लखन लाल थाना बजरिया ,प्र.आर. इंदर सिंह ,प्र.आर.प्रशांत राठौर ,प्र.आर. कुमर बहादुर ,आर. देवेन्द्र ,प्र.आर. संदीप राठौर थाना कोलार ।

थाना माकड़ोन पुलिस ने 12 घंटे के भीतर किया अंधे कत्ल का पर्दाफाश दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों को मृतक के खेत से सब्जी न तोड़ने देने व शराब पीने की बात पर गाली देने के विवादों की गई हत्या

तराना – पुलिस अधीक्षक उज्जैन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री पल्लवी शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना माकड़ोन पुलिस को अंधे कत्ल का 12 घंटे में खुलासा करने में सफलता प्राप्त हुई है।

घटना दिनांक 16.05.2024 को सुचनाकर्ता अशोक ने रिपोर्ट की थी की मैं ग्राम सुमराखेड़ी में ग्राम कोटवार का काम करता है। कल शाम को 08.00 बजे मेरे पिताजी समलाल घर से खाना खाकर तालाब के पास स्थित हमारे खेत पर रोज की तरह सोने के लिये गये थे। में दिनांक 16.05.24 को सुबह 07.00 बजे करीबन रोज की तरह में पिताजी के लिये चाय लेकर खेत पर आया तो देखा कि मेरे पिताजी खाट के पास मृत अवस्था में पड़े थे तथा उनकी गरदन पर चोट के निशान होकर खून निकला हुआ था। उक्त रिपोर्ट पर से थाना माकडोन पर अपराध क्र 190/24 धारा 302 भादवि का अज्ञात व्यक्ति के विरुष्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा अपराध की पतारसी हेतु राहुल देशमुख (भापुसे) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध सुरेश यादव व दिनेश मोगिया दोनो निवासी ग्राम सुमराखेड़ी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपीगणो के द्वारा बताया गया कि मृतक का आरोपी सुरेश के

पिता से अक्सर विवाद होता था तथा आरोपी को मृतक रामलाल ने शराब पीने की बात को लेकर गाली दी थी। दूसरे आरोपी दिलेश मोगिया मृतक रामलाल के खेत से सब्जी तोड़ने की बात को लेकर मृतक रामलाल के द्वारा डण्डा फेंककर मारा था तथा गाली दी थी। जिस कारण आरोपी सुरेश यादव व दिनेश मोगिया मृतक रामलाल के खिलाफ रंजीश पाल रखी थी तथा आरोपी से बदला लेने की फिराक में थे

दिनांक 15.05.2024 को दोनो आरोपी गण ग्राम डेलची में रात्री में वैवाहिक कार्यक्रम में मिले तथा दोनो योजना बजाकर साथ मे मिलकर दो पहिया वाहन से ग्राम सुमराखेडी में मृतक रामलाल के खेत पर पहुंचे जहां पर रामलाल सो रहा था। आरोपीगणो के द्वारा खाट पर सोये हुये समलाल पर चाकू से ताबडतोड गरदन पीठ व छाती पर वार कर हत्या की गई तथा घटना के बाद दोनो आरोपी के द्वारा अपने कपड़े बदल कर घटना के समय पहने कपड़े को छुपा कर फिर से शादी में शामिल हो गये ताकि किसी को कोई शक न हो।

गिरफ्तार आरोपीगण

आरोपीगण 01. सुरेश पिता कन्हैयालाल उम्र 22 साल निवासी ग्राम सुमराखेडी

02. दिनेश पिता नाथुलाल मोगिया उम्र 20 साल निवासी ग्राम सुमराखेडी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त चाकु तथा घटना के समय पहने कपडे को जप्त किया गया।

सराहनीय भूमिका –श्री राहुल देशमुख (भापुसे), श्री भविष्य भास्कर अअपु तराना, निरी रामकुमार कोरी थाना प्रभारी माकड़ोन, उनि वैरिन्द्र बंदेवार थाना राघवी, प्रदीप सिंह राजपूत, उनि अशोक शर्मा, उनि लालचंद शर्मा, सउनि सागर शर्मा, प्रआर 1106 ओमप्रकाश जाधव, प्रआर 607 वीरेन्द्र द्विवेदी, प्रआर 1284 सुदर्शन राठौर, आर 1489 राममूर्ति रावत.. आर 198 कृपाशंकर शर्मा, आर 1371 अर्चित शर्मा, आर 962 कुंदन सिहं, आर 1429 जगदीश लबाना, थाना तराना से आर 591 भूपेन्द्र आर प्रकाश मेहता, सायबर सेल से उनि प्रतीक यादव, प्रआर प्रेम सबरवाल की सराहनीय भूमिका रही।

भाजपा नेता अक्षय कांति बम का गिरफ्तारी वारंट थाने पहुंचा: डीसीपी बोले- कोर्ट के आदेश का होगा पालन

इंदौर। कांग्रेस से भाजपा में आए अक्षय कांति बम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले दिनों उन पर 17 साल पुराने प्रकरण में हत्या का प्रयास मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था। अब न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी आदेश थाने पहुंच चुका है।

पूरे मामले में डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के मुताबिक अक्षय कांति बम जिन पर 2007 में खजराना थाने पर प्रकरण दर्ज किया गया था जिसका पूरा मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान उन पर हत्या का प्रयास की धारा 307 के तहत धारा भी बढ़ाई गई है। 10 मई को अक्षय कांति बम को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना था, लेकिन वह नोटिस प्रस्तुत कर उपस्थित नहीं हुए थे। जिसके बाद न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

परिवार को प्रोटोकॉल के तहत दी गई सुरक्षा अक्षय कांति बम और उनके पिता कांति बम को 8 जुलाई तक माननीय न्यायालय में पुलिस को आदेश किया है कि वह उन्हें प्रस्तुत करें। पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि वारंट के चलते जो भी कार्रवाई होगी वही की जाएगी और उनके घर के बाहर जो सुरक्षा दी गई है वह उनके परिवार को प्रोटोकॉल के तहत दी गई है।

न्यायालय के आदेश का पालन करने की कही बात इस पूरे मामले में अब देखना होगा कि पुलिस 8 जुलाई का इंतजार करती है या फिर उससे पहले ही भाजपा में शामिल हुए अक्षय कांति बम की गिरफ्तारी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस ने माननीय न्यायालय का जो भी आदेश है उसकी पूरी तरह से पालन किए जाने की बात कही है।

कमरा बुक कराने में महिला से 45 हजार रुपये की ठगी की शिकार हुई

उज्जैन – शिवाजी पार्क कालोनी निवासी एक महिला के साथ 45 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। शिवाजी पार्क कॉलोनी निवासी महिला आशा भगत परिचितों के साथ ऋषिकेश घूमने जा रही है। इसके लिए गूगल पर ऋषिकेश में होटल सर्च किए थे। परमार्थ निकेतन आश्रम में ठहरने के लिए कमरा बुक करने के लिए दिए गए मोबाइल नंबर पर बात की तो संबंधित व्यक्ति ने ऑनलाइन 45 हजार रुपये जमा करवा लिए,जबकि कमरे बुक नहीं किए गए थे। माधवनगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि महिला ने ऋषिकेश में ठहरने के लिए चार कमरे बुक करने के लिए गूगल पर होटल सर्च किए थे। परमार्थ निकेतन आश्रम में कमरे बुक करने के लिए दिए गए मोबाइल नंबर पर बात की थी।

संजय शुक्ला से 140 करोड़ की वसूली... नई तारीख तय होगी

इंदौर कांग्रेस के पूर्व विधायक और अब भाजपा नेता संजय शुक्ला के परिवार पर खनिज विभाग द्वारा लगाए गए 140 करोड़ रुपए के जुर्माने में एक महीना बीत चुका है। गुरुवार को अपर कलेक्टर कोर्ट में पेशी थी, जिस पर शुक्ला सहित अन्य को जवाब पेश करना था। लेकिन, कोई नहीं आया। अब आगे की तारीख तय होगी।

संजय शुक्ला, उनके भाई राजेंद्र शुक्ला सहित दो अन्य को प्रशासन ने अवैध खनन के मामले में 140 करोड़ 63 लाख का नोटिस जारी किया था। बारौली में 4 लाख घनमीटर से ज्यादा मुरम और 2 लाख घनमीटर से ज्यादा पत्थर अवैध तरीके से निकाला गया था। रॉयल्टी सहित अन्य मिलाकर विभाग ने इतनी बड़ी राशि का नोटिस जारी किया था। पहली पेशी 19 अप्रैल को थी। संबंधित पक्ष ने दस्तावेज की डिमांड की, जिसके आधार पर केस बनाया गया था। फिर 16 मई की तारीख लगी, जब शुक्ला बंधुओं सहित अन्य को जवाब पेश करना था। अपर कलेक्टर गौरव बेनल ने बताया शुक्ला के वकील नहीं आए। अब अगली तारीख पर उन्हें पेश होने के लिए कहा है। केस में संजय शुक्ला, राजेंद्र शुक्ला के अलावा ईडन गार्डन गृह निर्माण संस्था, नीलेश पंसारी, मेहरबान राजपूत व अन्य को पार्टी बनाया है। 2017 में केस दर्ज हुआ था पहली बार फरवरी 2017 में केस दर्ज किया गया था। पूर्व कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने मामले को संज्ञान में लिया था। वर्तमान कलेक्टर आशीष सिंह के आने के बाद 8 फरवरी को खनिज विभाग ने अवैध खनन का हिसाब बनाया। चूंकि राशि अब तक की सबसे बड़ी थी, इसलिए अपर कलेक्टर ने दोबारा चेक करवाया।

हॉस्टल के बाथरूम में बेहोश मिली नर्स, मेडिकल कॉलेज ने किया मृत घोषित, जांच जारी

विदिशा– जिले के मेडिकल कॉलेज में संदिग्ध परिस्थितियों में एक नर्स की मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नर्स हॉस्टल के बाथरूम में बेहोश मिली जहां दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला गया मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया वहीं नर्स की मौत से दूसरी नर्सों को सदमा लगा है। मृतका का पोस्टमार्टम किया जा रहा है पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बाथरूम में बेहोश मिली थी नर्स किरण विदिशा में अटल बिहारी वाजपयी मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में अर्थोपेटिक विभाग में काम करने वाली नर्स आज सुबह अपने हॉस्टल के बाथरूम में बेहोश मिली काफी देर तक जब वह बाथरूम से बाहर नहीं आई तो रूम मेट ने आवाज दी, दरवाजा खुलवाने की कोशिश की जब उसने गेट के नीचे से देखा तो नर्स किरण बाथरूम में बेहोश पड़ी थी रूममेट ने आसपास के रूम में रह नहीं दूसरी नर्स को बुलाया और बाथरूम का दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला और मेडिकल कॉलेज ले गए जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल आने पर किरण की बीपी और पल्स नहीं थी किरण नर्स की अचानक मौत से साथी नर्सों को सदमा लगा है। उनका रो रो कर बुरा हाल है। कुछ नर्सों की हालत खराब होने पर उनको भर्ती किया गया है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ मनीष निगम ने बताया कि किरण बाथरूम में बेहोश मिली थी दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाल गया जब उसे अस्पताल लेकर आए, तब उसकी बीपी और पल्स नहीं थी, तत्काल उसे वेंटिलेटर पर रखा गया डॉक्टर ने काफी कोशिश की, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी उसका पोस्टमार्टम किया जा रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सही वजह सामने आ पाएगी।

रात को सोने गया अनिल सुबह तक रुक गई सांसे, अनिल की मौत बनी रहस्य, अब पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार

मनासा– थाना क्षेत्र के गांव अरनिया में 19 वर्षीय एक युवक की अज्ञात कारणो के चलते मौत हो गई। उक्त युवक गुरुवार रात अपने ही घर में सोया हुआ था, जो शुक्रवार सुबह परिजनों को मृत अवस्था में मिला। मृतक का नाम अनिल पिता नेनाराम बंजारा है। अचानक हुई इस घटना से गांव में दहशत फेल गई। फिर अलसुबह सुचना मिलते ही मनासा पुलिस मौके पर पहुंची, और पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिए मनासा शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां परिजनों के साथ समाजजनों का भी जमावड़ा हो गया। जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में मृतक का पीएम हुआ, और शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। फिलहाल युवक की मौत का कारण अज्ञात है, वहीं पीएम रिपोर्ट का भी सभी को इंतजार है, आखिर युवक की मौत कैसे हुई, इसका खुलासा तो पुलिस जांच के बाद ही हो पाएगा। वहीं पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार वाहन बन रहे दुर्घटना का कारण

डंपर ने साइकिल सवार को कुचला

रोड के दोनों साइड पटरी नहीं भरने से हुआ हादसा

2 किलोमीटर मार्ग बना डेंजर जोन आए दिन हो रही दुर्घटनाएं....

गौतमपुरा– इंगोरिया–नागदा– इंदौर मार्ग जहां बड़े–बड़े वाहन तेज रफ्तार से निकलते हैं !

इस मार्ग पर शक्ति मंदिर चौराहा, रुणजी चौपाटी, चंबल नाका चौराहा है !

इंदौर, उज्जैन, बड़नगर, सांवेर, नागदा,धार,पीथमपुर,

रतलाम जाने के लिए इस मार्ग से गुजरना होता है !नागदा–पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र है, दोनों जगह पहुंचने के लिए सीधा रास्ता गौतमपुरा होकर ही गुजरता है !

इस क्षेत्र में 24 घंटे यातायात के दबाव के साथ भारी वाहन का आना–जाना लगा रहता है ! सपाट सड़क होने के कारण चालक अंध गति से वाहन दौड़ाते हैं ! इसी के चलते टप्पा कार्यालय से गौशाला तक दो किलोमीटर मार्ग डेंजर जोन बन गया है! इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है ! बीते गुरुवार को इसी मार्ग पर एक साइकिल सवार मजदूर को तेज गति से इंगोरिया से बेटमा की ओर जा रहे डंपर (द्रश्च 09 एच एच 3122) ने अपनी चपेट में ले लिया! जिससे साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई मृतक गौतमपुरा के नयापुरा निवासी है ! वही डंपर चालक टक्कर मरने के बाद डंपर लेकर भागने लगा इस दौरान उसने अन्य ठेला गाड़ी वालो वह भी टक्कर मारी, वहीं स्थानीय पुलिस ने डंपर का पीछा कर डंपर व चालक को पकड़कर हिरासत में ले लिया! संस्था गौतमपुरा विकास मंच के के.पी. सिंह दरबार ने बताया कि आज हर अखबार में इस हेडिंग के साथ गौतमपुरा में दुर्घटना से हुई मौत की खबर प्रकाशित हुई है। दुर्घटना इसलिए घटित हुई कि इन तेज रफ्तार से भागने वाले वाहनों पर स्थानीय पुलिस ने कभी ध्यान नहीं दिया। चंबल नाके से लेकर बस स्टैंड तक लगभग 10 बसो के चालक (सभी बस चालक नहीं सिर्फ 10 बसो के चालक) रोजाना सुबह शाम इतनी तेजी से गाड़ी भागते हैं कि कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह बस चालक पुलिस थाने के सामने से ही तेज रफ्तार से गाड़ियां ले जाते हैं। थाना रोड पर दो बार तेज गति के चलते दो बसों के स्टेरिंग फेल हो चुके हैं। साथ ही डेंजर जोन बन चुका तहसील कार्यालय से गौशाला तक के मार्ग के लिए प्रशासन को स्थानीय जनप्रतिनिधियो की बैठक लेकर दुर्घटना कैसी रोकी जाए इस पर फैसला लेना चाहिए।

ब्रिटेन में वाटर बोर्न डिजीज का कहर

लोगों को उबला हुआ पानी पीने की सलाह

इंटरनेशनल डेस्क- ब्रिटेन (यू.के.) में जल आपूर्ति दूषित होने के कारण जल जनित बीमारी (वाटर बोर्न डिजीज) फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिसके चलते साउथ वेस्ट वाटर ने ब्रिक्सहैम, बूहे, किंग्सवियर, रोजलैंड और उत्तर-पूर्व पैगटन के निवासियों से नल के पानी को उबाल कर पीने की सलाह दी है। इस क्षेत्र में दो दर्जन से ज्यादा लोगों में डायरिया जैसी वाटर बोर्न डिजीज की पुष्टि हुई है। जबकि 70 से ज्यादा मामलों की जांच की जा रही है।अन्य 70 संदिग्ध मामलों की भी जांच की जा रही है।

छोटे बच्चों में बीमारी का जोखिम ज्यादा

यू.के. स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यू.के.एच.एस.ए.) ने कहा कि क्रिप्टोस्पोरिडियम नामक परजीवी के कारण यह जल जनित बीमारी फैल रही है। यू.के.एच.एस.ए. का कहना है कि परजीवी, जिसे क्रिप्टो के नाम से भी जाना जाता है, क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस नामक बीमारी का कारण बनता है। यह लोगों और कुछ जानवरों को प्रभावित करता है। यह संक्रमित मनुष्यों और जानवरों की आंतों और मल में पाया जा सकता है। यह परजीवी झीलों, नदियों, स्विमिंग पूल, अनुपचारित या खराब उपचारित पानी और भोजन को दूषित कर सकता है। लक्षणों में दस्त, पेट दर्द, मतली या उल्टी, हल्का बुखार और भूख न लगना शामिल हैं जो दो सप्ताह तक रह सकते हैं। यह परजीवी एक से पांच साल की उम्र के बच्चों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले बच्चों को अपनी चपेट में ले रहा है। यू.के.एच.एस.ए. का कहना है कि स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली वाले अधिकांश लोग एक महीने के भीतर ठीक हो जाएंगे।

पानी की निगरानी में जुटे अधिकारी

साउथ वेस्ट वॉटर (एस.डब्ल्यू.डब्ल्यू.) के अधिकारी क्रिस रॉकी के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों को प्रभावित क्षेत्रों में खाना पकाने और दांत साफ करने के लिए भी उबले हुए पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान ने स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ पानी की निगरानी करने का काम जारी रखा है। एस.डब्ल्यू.डब्ल्यू. ने दावा करते हुए कहा है कि उसे विश्वास है कि उबला हुआ पानी सुरक्षित है। हालांकि रॉकी ने कहा कि वह यह बताने में असमर्थ हैं कि लोगों को कितने समय तक पानी उबालना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगे की सलाह तब जारी की जाएगी

अफगानिस्तान के बामयान में गोलीबारी

स्पेन के 3 पर्यटकों समेत 4 लोगों की मौत

बामयान: अफगानिस्तान में गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन कानी ने कहा कि शुक्रवार को मध्य अफगानिस्तान के बामयान प्रांत में हमले में तीन विदेशी नागरिकों और एक अफगानिस्तान के नागरिक सहित चार लोग मारे गए। कानी कहा, गोलीबारी के दौरान चार विदेशी और तीन अफगान घायल हो गए। अधिकारी ने कहा, चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने विदेशी नागरिकों की राष्ट्रीयता के बारे में विस्तार से नहीं बताया। स्पेन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हमले में तीन स्पेनियों की मौत हो गई और कम से कम एक अन्य घायल हो गया। अधिकारी ने कहा कि प्रमुख पर्यटक क्षेत्र बामियान प्रांत में घटनास्थल से चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया और जांच जारी है। देर शाम हुए हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली।

अमेरिकी संसद की पूर्व अध्यक्ष नैंसी पैलोसी के पति पर हमले के दोषी को 30 साल की सजा

नेशनल डेस्क - अमेरिकी संसद की तत्कालीन अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के अपहरण का प्रयास करने और उनके पति पर हथौड़े से हमला करने के दोषी व्यक्ति को शुक्रवार को 30 साल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश जैकलीन स्कॉट कॉर्ली ने 44 वर्षीय डेविड डेपेप को सजा सुनाई, जिसे जूरी सदस्यों ने पिछले नवंबर में एक संघीय अधिकारी के अपहरण के प्रयास और एक संघीय अधिकारी के परिवार के सदस्य पर हमले का दोषी पाया था।

अभियोजकों ने डेविड को 40 साल की सजा की मांग की थी। अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के दौरान डेविड शांत खड़ा दिखा। बचाव पक्ष के वकीलों ने न्यायाधीश से डेविड को 14 साल की सजा देने की अपील की थी क्योंकि उसका पूर्व में कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने डेविड को सजा सुनाते समय इस तथ्य को ध्यान में रखा कि उसने एक संघीय अधिकारी के घर में घुसकर हमला किया, जो देश के इतिहास में एक अभूतपूर्व कृत्य था।

विदेश जाने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी

अब बिना वीजा मिलेगी इन देशों में एंट्री

इंटरनेशन डेस्क - रूस और भारत नागरिकों की एक दूसरे के देशों में आवाजाही को सुगम बनाने के लिए जून में द्विपक्षीय समझौते पर मंथन शुरू करेंगे। रूस की एक मंत्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूस और भारत पर्यटन को मजबूत करने के लिए बिना वीजा समूह में पर्यटकों के एक दूसरे के देश में जाने के लिए समझौता करने के करीब हैं। रूस के समाचार चैनल आरटी न्यूज ने बुधवार को रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय में बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग एवं विशेष परियोजना विभाग की निदेशक निकिता कोन्द्रातेयव को उद्धृत करते हुए कहा कि भारत में इस मुद्दे पर प्रगति हुई है। मंत्री ने कजान में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच, रूस-इस्लामिक दुनिया - कजान मंच 2024 से इतर बताया कि समझौते के मसौदे पर जून मे चर्चा होगी और इसपर साल के अंत में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा, ''रूस और भारत अपने पर्यटन संबंधों को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं क्योंकि वे वीजा-मुक्त समूह पर्यटक आदान-प्रदान शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। वर्ष के अंत तक द्विपक्षीय समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से दोनों देशों के बीच विचार-विमर्श का पहला दौर जून में आयोजित होगा। निकिता ने कहा कि रूस की योजना चीन और ईरान के साथ पहले ही इस तरह के किए गए समझौते को भारत के साथ दोहराना है। रूस और चीन ने पिछले साल एक अगस्त को वीजा मुक्त समूह पर्यटन के आदान-प्रदान की शुरुआत की थी। इसी दिन रूस ने ईरान के साथ भी इसी तरह के समझौते को अमली जामा पहनाया ताकि नए युग के पर्यटन सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

भारत और रूस के बीच होगा समझौता, वीजा मुक्त पर्यटन को लेकर हो सकती है चर्चा

इंटरनेशनल डेस्क- भारत और रूस एक ऐतिहासिक वार्ता शुरू करने के लिए तैयार हैं, जिससे दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त पर्यटक आदान-प्रदान हो सकता है, जिसका लक्ष्य पर्यटन प्रवाह को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है। स्पुतनिक ने बताया कि चर्चा का पहला दौर जून के लिए निर्धारित है, जिसके दौरान देश द्विपक्षीय समझौते की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे, जिसे साल के अंत तक अंतिम रूप दिया जा सकता है। रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय में बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग और विशेष परियोजना विभाग की निदेशक निकिता कोंद्रायेव ने रूस-इस्लामिक वर्ल्ड- कज़ानफोरम 2024 में आगामी वार्ता के बारे में विवरण साझा किया। रूस के कज़ान में आयोजित इस कार्यक्रम ने समूह वीज़ा-मुक्त यात्राओं पर बातचीत में प्रगति को उजागर करने के लिए कोंद्रायेव के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।कोंद्रतयेव ने बताया, हम भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आंतरिक समन्वय के अंतिम चरण के करीब हैं और जल्द ही एक मसौदा समझौते पर चर्चा करेंगे। आगे समयरेखा के बारे में आशावाद व्यक्त करते हुए, कोंद्रायेव ने कहा, मुझे लगता है कि जून में हम मसौदा समझौते पर चर्चा करने के लिए उनके साथ पहला परामर्श आयोजित करेंगे। हमारी योजना साल के अंत तक हस्ताक्षर करने की है। यह पहल अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए रूस की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इससे पहले फरवरी में, मंत्रालय ने रूस की पर्यटन और आर्थिक योजनाओं में भारत के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए, 2024 के अंत तक भारत के साथ वीज़ा-मुक्त आदान-प्रदान को लागू करने के अपने इरादे की घोषणा की थी। रूस का वीज़ा मुक्त पर्यटन कार्यक्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। देश ने 1 अगस्त, 2023 से चीन और ईरान के साथ इसी तरह की पहल सफलतापूर्वक शुरू की है। इन समझौतों ने समूह यात्रा को आसान बना दिया है, रूस और इन देशों के बीच अधिक समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया है। भारत के साथ प्रस्तावित वीज़ा-मुक्त व्यवस्था, यदि सफल रही, तो यात्रियों के लिए नए रास्ते खुलने, दोनों ऐतिहासिक रूप से सहयोगी देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक संबंधों को बढ़ने की उम्मीद है। जून में शुरू होने वाली औपचारिक वार्ता के साथ, पर्यटन उद्योग के हितधारक इस बात पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं कि भारत और रूस के बीच पर्यटन और लोगों के बीच संबंधों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल सकता है।

वीआईपी दर्शन पर 31 तक रोक, 19 मई तक रजिस्ट्रेशन भी नहीं

नेशनल डेस्क- चारधाम यात्रा के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए वीआइपी दर्शनों पर 31 मई तक रोक लगा दी गई है। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर रोक भी 19 मई तक बढ़ा दी गई। चारधाम यात्रा के लिए अब तक 27,92,679 श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। धामों में क्षमता से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने से परेशानियां हो रही हैं। श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि जिस तारीख का रजिस्ट्रेशन है, उसी दिन यात्रा पर निकलें। वे पहले आते हैं तो वापस भेज दिया जाएगा। बिना स्वास्थ्य जांच तीर्थयात्रा का मामला सामने आने के बाद उत्तराखंड सरकार ने तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य की जांच कराकर यात्रा पर आने की अपील की है। स्वास्थ्य जांच न कराने के कारण तीर्थस्थलों पर लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। तीर्थयात्री स्क्रीनिंग के दौरान मेडिकल हिस्ट्री छिपा रहे हैं। इससे यात्रा के दौरान उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। हरिद्वार से चारधाम तक 21 स्थानों पर यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस और दिल की समस्या वाले यात्रा नहीं करें।

मंदिर परिसर के करीब रील की इजाजत नहीं

इस बार चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं को मोबाइल फोन मंदिर में ले जाने की अनुमति नहीं है। मंदिर परिसर से 200 मीटर के घेरे में कोई श्रद्धालु, ब्लॉगर या यूट्यूबर रील नहीं बना सकेगा। उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। रील बनाकर भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

मुसलमानों के देश सऊदी अरब में कराया गया स्विमसूट फैशन शो

नेशनल डेस्क- सऊदी अरब ने अपना पहला फैशन शो आयोजित कर एक ऐतिहासिक बदलाव किया है। बता दें कि सऊदी अरब द्वारा आयोजित किए गए फैशन शो में स्विमसूट मॉडल शामिल की गईं। यह उस देश में एक बड़ा कदम माना जा रहा है जहां एक दशक से भी कम समय पहले महिलाओं को शरीर को ढकने वाले अबाया वस्त्र पहनने की आवश्यकता होती थी। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने फैशन शो को आयोजित कराया। इन बदलावों के तहत सउदी अरब में डंडे का जोर चलाने वाली धार्मिक पुलिस को दरकिनार किया गया।

पूल साइड शो में मोरक्कन डिजाइनर यास्मीना क़ानज़ल का काम शामिल था, जिसमें ज्यादातर लाल, बेज और नीले रंग के वन-पीस सूट शामिल थे। अधिकांश मॉडलों के कंधे खुले थे और कुछ के मध्य भाग आंशिक रूप से दिखाई दे रहे थे।

क़ानज़ल ने बताया, यह सच है कि यह देश बहुत रूढ़िवादी है, लेकिन हमने शानदार स्विमसूट दिखाने की कोशिश की जो अरब दुनिया का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, जब हम यहां आए, तो हमने समझा कि सऊदी अरब में स्विमसूट फैशन शो एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि इस तरह का आयोजन पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल होना सम्मान की बात थी।

यह शो सऊदी अरब के पश्चिमी तट पर स्थित सेंट रेजिस रेड सी रिज़ॉर्ट में उद्घाटन रेड सी फैशन वीक के दूसरे दिन हुआ। यह रिसॉर्ट रेड सी ग्लोबल का हिस्सा है, जो क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की देखरेख में सऊदी अरब के विज़न 2030 सामाजिक और आर्थिक सुधार कार्यक्रम के केंद्र में तथाकथित गीगा-परियोजनाओं में से एक है। प्रिंस मोहम्मद, जो 2017 में सिंहासन के लिए पहली बार कतार में आए, ने सऊदी अरब की वहाबीवाद के रूप में ज्ञात शुद्धतावादी रूप की ऐतिहासिक वकालत से उपजी सऊदी अरब की कठोर छवि को नरम करने के लिए नाटकीय सामाजिक सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है।

उन बदलावों में लाठीधारी धार्मिक पुलिस को दरकिनार करना, जो पुरुषों को प्रार्थना करने के लिए मॉल से बाहर निकालती थी, सिनेमाघरों को फिर से शुरू करना और मिश्रित-लिंग संगीत समारोहों का आयोजन करना शामिल है। वे असहमति को निशाना बनाने वाले तीव्र दमन के साथ मेल खाते हैं, जिसमें रूढ़िवादी मौलवी भी शामिल हैं जो इस तरह के कदमों का विरोध कर सकते हैं।शुक्रवार के शो में भाग लेने वाले सीरियाई फैशन प्रभावकार शौक मोहम्मद ने कहा कि दुनिया के लिए खुलने और अपने फैशन और पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करने के सऊदी अरब के प्रयास को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं थी।

आधिकारिक सऊदी फैशन कमीशन द्वारा पिछले साल प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में फैशन उद्योग का योगदान 12.5 बिलियन डॉलर या राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का 1.4 प्रतिशत था और इसमें 230,000 लोगों को रोजगार मिला था। मोहम्मद ने कहा, यह सऊदी अरब में स्विमसूट फैशन शो का पहला मौका है, लेकिन क्यों नहीं? सच में क्यों नहीं? यह संभव है और हमारे पास यह यहां है। शुक्रवार को भाग लेने वाले एक फ्रांसीसी प्रभावशाली व्यक्ति राफेल सिमाकोर्बे ने कहा कि उनकी नजर में कुछ भी अजीब नहीं था लेकिन सऊदी संदर्भ में यह एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा, आज ऐसा करना उनके लिए बहुत बहादुरी का काम है, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569